

प्रसाधारण

EXTRAORDINARY

Mai Talas I

PART I-Section 1

प्राचिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

€ 77} No. 77] नई बिल्ली, मंगलबार, **जू**न 20, 1967/क्येंक्ठ 30, 1889

NEW DELHI, TUESDAY, JUNE 20, 1967/JYAISTHA 30, 1889

इक्ष भाग में भिष्म पूष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह झलग संकलन के रूप में रका का सके । Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

गृह मंत्रालय

नियम

नई दिल्ली, 17 जून 1967

सं 15/1/67-ए० आईं० एस० (Î) :---- निम्नलिखित सेवाओं में 1 नवम्बर, 1962 के बाद समस्त्र सेना में कमीशन-प्राप्त निर्मुक्त श्रापातकालीन श्रायुक्त श्रफ़सरों /अल्पकालीन सेवा श्रायुक्त अफ़सरों के लिये श्रारक्षित रिक्तियों को चुनाव के द्वारा भरने के लिये श्रक्तूबर, 1967 में संघ लोक सेवा श्रायोग द्वारा ली जाने वाली प्रतियोगिता-परीक्षा के नियम संबंधित मंत्रालयों की, श्रीर भारतीय लेखा- परीक्षा और लेखा सेवा के सम्बन्ध में भारत के नियतक श्रीर महालेखा परीक्षक की, सहमति से श्राम जानकारी के लिये प्रकाशित किये जा रहे हैं :---

- (I) भारतीय प्रशासनिक सेवा,
- (II) भारतीय विदेश सेवा,
- (III) भारतीय पुलिस सेवा,

- $({
 m IV})$ केन्द्रीय मूचना मेवा, (ग्रेंड ${
 m II}$) श्रेणी ${
 m I}$,
- (V) भारतीय लेखा-परीक्षा भ्रौर लेखा सेवा,
- $({
 m VI})$ भारतीय सीमा-शुल्क श्रीर केन्द्रीय उत्पादन-शुल्क सेंघा,
- (VII) भारतीय रक्षा लेखा सेवा,
- $(extbf{VIII})$ भारतीय ग्राय-कर मेवा (श्रेणी I)
 - (IX) भारतीय श्रार्डनेंस फ़्रैक्टरी सेवा, श्रेणी I, (सहायक प्रबन्धक गैर-तकनीक्री),
 - (\mathbf{X}) भारतीय डाक सेवा,
 - (XI) भारतीय रेलवे लेखा सेवा,
- (\mathbf{XII}) सैनिक भूमि (मिलिटरी लैंड्स) और छावनो सेवा, श्रेणी \mathbf{I} ,
- (\mathbf{XIII}) भारतीय रेलवे यानायात सेवा,
- (XIV) दिल्ली, हिमाचल प्रदेश तथा श्रंडमान श्रौर निकोबार द्वीप समूह पुलिस सेवा, श्रणी II,
- (XV) केन्द्रीय मचिवालय सेवा, ग्रनुभाग ग्राधकारी ग्रेड श्रेणी Π ,
- (\mathbf{XVI}) सीमा-शुल्क मूल्य-निरूपक (एप्रेजर) सेवा, श्रेण \mathbf{II} ,
- (XVII) दिल्ली, हिमाचल प्रदेश तथा श्रंडमान श्रौर निकोबार द्वीपसमूह मिकिल मेवा, श्रेणी II,
- $(\mathbf{X}\mathbf{V}\mathbf{III})$ भारतीय विदेश सेवा, शाखा (\mathbf{w}) , ग्रनुभाग ग्रधिकारी ग्रे
- (XIX) रेलवे बोर्ड मचिवालय सेवा, श्रेणी II, श्रौर
 - $(\mathbf{X}\mathbf{X})$ मैनिक भूमि मिलिटरी (लँड्म) ग्रौर छावनी सेवा, श्रणी \mathbf{H} .

उम्मीदवार उपर्युक्त सेवाक्रों में से किसी एक अथवा एक से अधिक सेवाक्रों के लिये प्रतियोगिता-परीक्षा में बैठ सकता है । वह इन सेवाक्रों में से जितनी सेवाक्रों के लिये प्रतियोगिता-परीक्षा में बैठना चाहता हो उनका उल्लेख प्रणने आवेदन पत्र में कर दे । उम्मीदवारों को बेनावनी दी जाती है कि किसी भी ऐसी सेवा में उनकी निय्कित के सम्बन्ध में विचार नहीं किया जायेगा जिसका उल्लेख वे अपने आवेदन पत्र में नहीं करेंगे ।

- ध्यान दे I.—जम्मीदवारों से प्रपेक्षा की जाती है कि वे प्रपने प्रावेदन-पत्नों में उन सेवाओं के अधिमान-क्रम का स्पष्ट उल्लेख करें जिनके लिये वे प्रतियोगिता परीक्षा में बैठने के इच्छुक है। उन्हें यह सलाह दी जाता है कि वे प्रपनी इच्छानुसार जितनी सेवाओं का चाहे उल्लेख करें जिससे नियुक्तियां करते समय, योग्यता क्रम में उनके स्थान को दृष्टि में रखते हुए, उनके अधिमानों का भी समुचित ध्यान रखा जा सके।
- स्थान दें II .—जम्मीदवार द्वारा श्रपने श्रावेदन-पत्न में मूलतः उल्लिखित सेवाशों में किसी भन्य सेवा का नाम जोड़ने श्रयता उनके श्रधिमान-क्रम में कोई परिवर्तन करने से सम्बन्धित किसी ऐसे श्रनुरोध पर विचार नहीं किया जायेगा जो 31 दिसम्बर, 1967को वा उसके पूर्व श्रायोग के कार्यालय में नहीं प्राप्त हो जाता।

2. परीक्षा के परिणाम के आधार पर निर्मुक्त आपातकालीन श्रायुक्त अल्पकालीन सेवा आयुक्त अफ़सरों के लिये आरक्षित स्थायी रिक्तियों पर निस्नलिखित रूप में नियुक्तियां की जायेंगी:

	मेवा	कितनी प्रतिशत रिक्तियां भारक्षित है
(i)	भारतीय प्रशासनिक सेवा/भारतीय विदेण सेवा	20%
(ii)	भारतीय पुलिस सेवा .	30%
(iii)	केन्द्रीय सेवाएं/पद, श्रेणी $I,\;($ गैर-तकनीकी $)\;$ (इसमें रेलवे की सेवाए/पद भी मस्मिलित हैं $)\;$	25%
	केन्द्रीय सेवाएं/पद, श्रेणी Π_{ϵ} (गैर-तकनीकी) (इसमें रेलवे की सेवाएं/पद भी सम्मिलित है)	30%

परन्तु भर्ती के किसी भी वर्ष में इस परीक्षा के सम्बन्ध में निर्मृक्त श्रापातकालीन श्रायुक्त/श्रल्फ-कालीन सेवा श्रायुक्ति श्रक्तसरों के लिए और नियमित भारतीय प्रशासनिक सेवा श्रादि परीक्षा के सम्बन्ध में अनुसूचित जातियों/श्रनुसूचित श्रादिस जानियों के उम्मीदवारों के लिए, श्रारक्षित रिक्तियों की कुल सख्या नीचे बताई गई सीमा से श्रिधिक नहीं होगी:——

- (i) भारतीय प्रशासिक सेवा/भारतीय विदेश सेवा भीर केन्द्रीय सेवाएं/श्रेणी I के पद (गैर-तकाकी) के मामले में कुल स्थार्या रिक्तियों की 45% रिक्तियों पर सीधी भर्ती द्वारा नियक्तियां की जायेंगी ।
- (ii) भारतीय पुलिस सेवा और केन्द्रीय गवाग्/श्रेणो II के पद (गैर-तकनीकी) के मामले में कुल स्थायी रिक्तियों की 50% रिक्तियों पर सीधी भर्ती द्वारा नियुक्तियों की जायेगी ।

अनुसूचित जातियों श्रीर अनुसूचित । श्रादिम जातियों के उम्मीदत्रारों के लिये रिक्तियों का आरक्षण भारत सरकार के द्वारा निर्धारित विधि से किया जायेगा ।

श्रनुस्चित जातियों में श्रादिम जातियों से अभिश्राय निम्नांकित में उल्लिखित जातियों/आदिम जातियों में ने किसी एक में है : अनुसूचित जाति श्रार अनुसूचित आदिम जाति श्रारेण (संशोधन) अधिनियम, 1965 के साथ पढ़े गये अनुसूचित जाति/आदिम जाति सूचियां (सशोधन) आदेश, 1956, सविधान (जम्मू और काश्मीर) श्रनुसूचित जाति आदेश, 1956, सविधान (भंडमान भौर निकोबार द्वीपसमूह) श्रनुसूचित आदिम जाति आदेश, 1959, संविधान, (दादरा श्रीर नागर हवेली) अनुसूचित जाति आदेश, 1962, सविधान (पांडीचेरी) अनुसूचित जाति श्रारेश, 1964.

अंश लोक सेवा श्रायोग यह परीक्षा नियमों के परिणिष्ट II में निर्धारित विधि से शेगा । परीक्षा की तारीख श्रौर स्थान श्रायोग हारा निर्धारित किये जायेंगे । 4. वे सभी भाषातकालीन कमीशंड श्राफीसर/ग्रस्थकालीन सेवा कमीशंड श्रफ्रसर, इन निवमों की व्यवस्थाओं के श्रन्तर्गत ही इस परीक्षा में बैठने के पात होंगे जिन्हें 1 नवस्थर, 1962 के बाद समस्त्र सेना में कमीशन प्राप्त हुआ था तथा जो सन् 1967 में इस श्रधिसूचना के प्रकाशन के पूर्व निर्मुक्त हो चुके हैं भथवा उसके बाद 1968 के श्रंत तक निर्मुक्त किये जाने वाले हैं।

किन्तु शर्त यह है कि जिन श्रापातकालीन कमीशंड श्रफ्य रों / श्रत्पकालीन सेवा कमीशंड अफसरों को सशस्त्र सेना में 1 नवस्त्रर, 1962 के बाद कमीशन प्राप्त हुश्रा था तथा जो 1967 के पूर्व सैन्य सेवा के कारण हुई श्रथवा बढ़ गई विकलस्ता के कारण श्रपांग हुए थे, वे नियम 8 के परंतुक की भर्ती के अनुसार तथा उसमें उल्तिखान सीमाओं के अंतर्गत ही इस परीक्षा में बैठने के पात्र होंगे।

नोट 1 :---इन नियमों के ग्रन्तर्गन "निर्मुक्नि" का ग्रर्थ होगा :---

- (i) श्रापातकालीन कमीणंड श्रक्षमरों के सम्बन्ध में एक निर्धारित कार्यक्रम के श्रनुसार वास्तविक निर्मुक्ति,
- (ii) श्रत्यकालीन सेवा कमीशंड श्रक्तसरों के सम्बन्ध में भ्रपने सेवाकाल की ममाप्ति पर वास्तविक निमुक्ति,
- (iii) सैन्य सेवा के कारण हुई श्रववा बढ़ गई विकलांगता के कारण श्रवांगता ।

किन्तु यह निर्मुक्ति प्रशिक्षण के दौरान ग्रथवा उसकी समाप्ति पर, या वास्तविक सेवा में लिये जाने के पूर्व इस प्रकार के प्रशिक्षण काल को पूरा करने के लिये प्रदान किये गये "भ्रत्यकालीन सेवा कमीशन" के दौरान श्रयवा उसकी समाप्ति पर नहीं होनी चाहिए बल्कि सशस्त्र सेनाभ्रों में कुछ समय तक सेवा कर सेने के पश्चात् ही होनी चाहिए।

नोट 2:---यदि कोई व्यक्ति ग्रंपना प्रातेदन-पत्र प्रेषित कर देने के बाद मणस्त्र मेना में त्याग-पत्र दे देता है ग्रंथवा दुर्व्यवहार या ग्रंथोग्यता के ग्राधार पर ग्रंथवा स्त्रयं के ग्रंतुरोध पर मणस्त्र सेना से निर्मुक्त किया जाता है तो उसकी उम्मीदवारी को रह किया जा सकता है।

- 5 (i) भारतीय प्रशासनिक सेवा और भारतीय पुलिस सेवा का उम्मीदवार भारत का नागरिक श्रवश्य हो ।
 - (ii) भ्रन्य सेवा के उम्मीदवार को या तौ
 - (क) भारत का नागरिक होना चाहिए, या
 - (वा) सिविकम की प्रजा, या
 - (ग) मेपाल की प्रजा, या
 - (भ) भूटान की प्रजा, या
 - (ङ) ऐसा तिब्बती शरणार्थी, जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से पहली अनवरी, 1962 से पहले भारत भा गया हो, या
 - (स) मूल रूप से भारतीय व्यक्ति जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से पाकिस्तान, बर्मा, लंका ग्रोर पूर्वी श्रफीकामें कीन्या, उगांदा, टैंजानिया (भ्तपूर्व टंगानिका ग्रीर अंजीबार) के संयुक्त गणराज्य से ग्राया हो ।

परन्तु ऊपर की (ग), (घ) भीर (च) कोटियों के अन्तर्गत भाने वाले उम्मीदवार के पास भारत सरकार द्वारा दिया गया पालता (एलिजिबिलिटी) प्रमाण-पत्न होना चाहिए भीर यदि वह (च) कोटि का हो तो पात्रना प्रमाण-पत्न एक वर्ष तक की श्रवधि के लिये जारी किया जायेगा। उसके बाद उम्मीदवार की नौकरी तभी जारी रखी जायेगी जब वह भारत की नागरिकता प्राप्त कर ले। नेकिन नीचे लिखे प्रकार के उम्मीदवारों के लिये पात्रता प्रमाण-पत्न आवश्यक नहीं होगा :—

- (i) वे व्यक्ति जो 19 जुलाई, 1948 में पहले पाकिस्तान से भारत में आगये हों भ्रौर तब से आम नौर से भारत में रह रहे हों।
- (ii) वे व्यक्ति जो 19 जुलाई, 1948 को या उसके बाद पाकिस्तान से भारत में आगये हों जिन्होंने संविधान के अनुच्छेद (आर्टिकल) 6 के अधीन स्वयं को भारत के नागरिक के रूप में रिजिस्टर करा लिया हो ।
- (iii) ऊतर को (च) कोटि के वे सैर-नागरिक जा संविधान लागू होने की तारीख अर्थात 26 जनवरी, 1950 से पहले भारत सरकार की सेवा में आये और तब से लगातार नीकरी कर रहे हैं और जिनके सेवा काल का क्रम नहीं टूटा है। लेकिन यबि किसी व्यक्ति के सेवाकाल का क्रम टूट गया हो और उसके 26 जनवरी, 1950 के बाद उक्त सेवा दुवारा शुरू की हो तो उसे भी औरों की तरह पावता-प्रभाण - पत्न देना होगा।

एक और गर्त यह भी है कि उपर्युक्त (ग), (घ) और (ङ) कोटियों के उम्मीदवार भारतीय विदेश सेवा में नियुक्ति के पान नहीं माने जायेंगे ।

परीक्षा में उन्मोदवार को भी बैठने दिया जा सकता है जिसके लिये पावता-प्रमाण-पन्न भावश्यक हो और उसे सरकार द्वारा श्रावश्यक श्रमाण-पत्न दिये जाने की गर्त के साथ, श्रंतिम (प्रोविजनल) रूप से नियुक्त भी किया जा सकता है।

- 6. (क) उम्मीदवार ने जिस वर्ष में सशस्त्र सेना में कमीशन-पूर्व प्रशिक्षण आरंभ किया उस वर्ष के 1 श्रगम्न तक उसकी ग्राय् 24 वर्ष में कम होनी चाहिए।
 - (ख) ऊपर निर्धारित श्राय्-सीमा में छ्ट दी जा सकती है :---
 - (i) यदि उम्मोदवार किसी अनुसूचिन जाति या अनुसूचित श्रादिम जाति का हो तो श्रधिक से श्रधिक पांच वर्ष,
 - (ii) यदि उम्मोदवार पूर्वी पाकिस्तान से । जनवरी 1964 को या उसके बाद भारत में ग्राया वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो तं: श्रधिक से ग्रधिक तीन वर्ष,
 - (iii) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित ग्रादिम जाति का हो और वह । जनवरी, 1964 को या जसके बाद पूर्वी पाकिस्तान से ग्राया वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो तो अधिक से ग्रधिक ग्राठ वर्ष;
 - (iv) यदि उम्मीदवार संघ राज्य क्षेत्र पांडीचेरी का निवासी हो तथा उसने कभी न कभी फांसीसी के माध्यम से शिक्षा प्राप्त की हो तो श्रधिक से श्रधिक तीन वर्ष;
 - (v) यदि उम्मीदवार अन्तूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका समझोते के अधीन, 3 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद, श्रीलंका से वास्तव में प्रत्यावर्तित होकर, भारतमें आया हुआ मूल रूप से भारतीय व्यक्ति हो, तो अधिक मे अधिक तीन वर्ष;

- (vi) यदि उम्मोदवार अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित आदिम जाति की हो श्रीर साथ ही श्रक्तूवर, 1964 के भारत श्रीलंका समझौत के अधीन, नवम्बर, 1964 को या उसके बाद श्रीलंका से वास्तव में प्रत्यावर्तित होकर, भारत में श्राया हुआ मूल रूप मे भारतीय व्यक्ति हो, तो श्रधिक से श्रधिक श्राठ वर्ष;
- (vii) यदि उम्मीदवार गोग्रा, दमन श्रीर दियु के संघ राज्य क्षेत्र का निवासी हो, तो श्रधिक में श्रधिक तीन वर्ष;
- (viii) यदि उम्मीदवार, कीत्या, उगाडा, या टैज़ानिया (भृतपूर्व टैगानिका नथा जंजीबार) के संयुक्त गणराज्य से श्राया हुश्रा मूल रूप से भारतीय व्यक्ति हो तो श्रक्षिक से अधिक तीन वर्ष;
 - (ix) यदि उम्मीदवार 1 जून, 1963 को या उसके बाद, बर्मा से वास्तव में प्रत्यावितत होकर, भारत में भ्राया हुआ मूल रूप से भारतीय व्यक्ति हो, तो भ्रधिक से भ्रधिक तीन वर्ष:
 - (x) यदि जम्मीदवार अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित आदिस जाति का हो और साथ ही 1 जून, 1963 को या उसके बाद, बर्मा से प्रत्यावितत होकर, भारत में आया हुआ मूल रूप में भारतीय व्यक्ति हो, तो श्रधिक से अधिक श्राठ वर्ष;
- (xi) रक्षा मेनाग्रां के उन विकलाग कर्मचारिया के मामले मे श्रधिक से ग्रधिक वर्ष तक्क जो किसी णज्ञु देश मे श्रथवा उपदवगस्त क्षेत्रो में हुए संघर्ष के दौरान विकलांग हुए तथा उसके परिणामस्वरुप निर्मुक्त किये गये ।
- (xii) रक्षा सताओं के ऐस विकास कर्मचारियों में प्रधिक सा अधिक 8 वर्ष जो कि अनुमृत्वित जाति में/अनुसृत्वित द्यादिम जातियों के हैं तथा जो किसी शब्द गेश से अथवा उत्प्रत्यस्त क्षेत्रों में हुए संवर्ष के दौरात विकास हुए तथा उसके परिणाम स्वक्ष निर्मावत किए गए
- (xiii) जिस उम्मीदवार के सणस्त्र सेना के कमीशन-पूर्व प्रशिक्षण में 1963 में प्रवेश किया था, वह यदि पाकिस्तान से आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हैं : उसके मानने में ग्रिधिक से अधिक तीन वर्ष । यह श्रृट परीक्षा के लिये प्राप्य प्रथम अवसर तक ही सी। मेन रहेगी ।
- (xiv) जिस उम्मीदवार ने सशस्त्र सेना के कमीशन-पूर्व प्रशिक्षण में 1963 मे प्रवेश किया था , वह यदि अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित प्रादिम जाति का है तथा साय हो पाकिस्तान से आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है तो उसके मामले में अधिक से अधिक आठ वर्ष । यह छूट परीक्षा के लिये प्राप्य अवसर तक ही मीमित रहेंगी ।
- (xv) जिन उम्मीदवार ने गणस्व सेना के कमीशन पूर्व प्रशिक्षण में 1963 या 1964 या 1965 में प्रवेश किया है वह यदि अडमान श्रीर निकोबार दीपसमूह का निवासी है तो उसके मामले में श्रिधकतम चार वर्ष तथा
- (xvi) जिस उम्मीदवार ने कमीणन-पूर्व प्रणिक्षण में 1963 या 1964 या 1965 में प्रवेश किया है, यदि वह भारतीय नागरिक है तथा साथ ही श्रीलका से प्रत्यावितित है तो उसके मामले में श्रीधकतम तीन वर्ष तक।

उपर्युक्त परिस्थिति को छोड़ कर निर्धारित ग्रायु, सीमां में किसी हालत में छट नहीं दी जा सकती।

7. किसी भी उम्मीदवार को प्रतियोगिता-परीक्षा में दो बार से श्रधिक बैठने की अनुमति नहीं दी जायेगी, यह प्रतिबन्ध 1966 में होने वाली परीक्षा से लागू होगा।

परन्तु उस उम्मीदवार को प्रतियोगिता-परीक्षा में केवल एक ही बार बैठने की श्रनुमित दी जायेंगी जो उस वर्ष के 1 श्रगम्त को, जिसमें उसने सगस्त्र सेना में क्सीशन-पूर्व प्रशिक्षण ग्रारम्भ किया अपर्युक्त पैरां 6 में उल्लिखित श्रायु का नहीं हुआ था किन्तु जिस वर्ष में उसने कमीशन-पूर्व प्रशिक्षण ग्रारम्भ किया था उसके बाद के वर्ष के 1 श्रगस्त को उस श्रायु का हो गया था।

नोट :—यदि कोई उम्मीदवार किसी एक या एक से प्रधिक विषयों में वस्तुतः परीक्षा देता हैं तो यह मान लिया जायेगा कि वह प्रतियोगिता-परीक्षा में भाग ले चका है।

- 8. इन नियमों की ब्यवस्थाओं के भ्रन्तर्गत
- (1) यदि कोई उम्मीदवार परीक्षा में केवल एक ही बार बैठन का पात्र हो तो उसे अपने निर्मुक्त होने के पहले वाले वर्ष को परीक्षा में बैठना चाहिये।
- (2) यदि कोई उम्मीदग्रर परीक्षा में दो बार बैठ ने का पाल हो तो उसे ग्रपने निर्मुक्त होते के वर्ष ग्रौर उसके पहले वाले वर्ष की परीक्षाग्रों में बैठना चाहिये।

किन्तु शर्त यह है कि :

- (क) जो जम्मीदवार सैन्य सेवा के कारण हुई ग्रयवा बढ़ गई विकलांगता के कारण श्रपांग हुआ है वह, इस नियम के नीचे दिये हुए नोट में उल्लिखित श्रपवादों को छोड़कर, 1967 में होने वाली परीक्षा में बैठ सकता है; तथा यह
 - (i) उसका एकमान्न श्रवसर माना जायेगा यदि वह 1967 की परीक्षा के लिये श्रावेदन-पत्न स्वीकार करने के लिये निर्धारित श्रंतिम तारीख के पहले अपांग हुआ है और परीक्षा में बैठने का केवल एक अवसर पान का पात है।
 - (ii) उसका दूसरा भवसर माना जायेगा यदि वह 1966 की परीक्षा के लिये आबेदन-पत्न म्वीकार करने के लिये निर्धारित अंतिम तारीख के पहले अपांग हुआ था और परीक्षा में बैठने के लिये दो अवसर पाने का पात्र है।
 - (iii) उसका पहला अवसर माना जायेगा यदि वह 1965 या उसके पूर्व, अथवा 1966 की परीक्षा के लिये आवेदन पत्न स्वीकार करने के लिये निर्धारित अंतिम तारीख के पूर्व 1966 में ही अथवा 1967 की परीक्षा के लिये निर्धारित अंतिम तारीख के पूर्व 1967 में ही अपांग हुआ था और यदि वह परीक्षा में बैठने के दो श्रवसर पाने का पाल हैं।
- (iv) उसका दूसरा श्रवसर माना जायेगा यदि वह 1966 की परीक्षा के लिये श्रावेदन पत्न स्वीकार करने के लिये निर्धारित श्रांतिम तारीख के पूर्व 1966 में ही श्रपांग हुआ था, श्रीर यदि वह निर्धारित कार्यक्रम के श्रनुसार (श्रापानकालीन कमीशंड श्रफसर के मामले में) श्रथवा अपने सेवाकाल की समाप्ति पर (श्रल्पकालीन सेवा कमीशंड अफसर के मामले में) 1967 में निर्मुक्त होने वाला था।

- (ख) सन् 1967 में निर्मुक्त हुए निर्मुक्त होने वाले जिस उम्मीदवार के पास कमीचनपूर्व प्रणिक्षण में प्रवेश के समय नियम 9 में निर्धारित योग्यतामों में से कोई योग्यता
 नहीं थी, किन्तु जिसने 5 श्रक्तूबर, 1966 से पूर्व समाप्त हुई परीक्षा उत्तीर्ण करके
 जक्त योग्यता प्राप्त कर ली है, वह सन् 1967 में ली जाने वाली परीक्षा में बैठ सकता
 है तथा
 - (i) यदि वह परीक्षा में बैठने के लिये केवल एक श्रवसर पाने का पान है तो वह उसका एकमात्र श्रवसर माना जायेगा;
 - (ii) यदि वह परीक्षा में बैठने के लिये दो प्रवसर पाने का पाल है तो यह उसका कहना अवसर माना जायेगा ।
 - (न) जिस उम्मीदवार को भायोग द्वारा 1966 में ली गई परीक्षा में प्रवेश दे दिया गया था किन्तु जो सकत्त्व सेनाओं में नौकरी की भपेकाओं के कारण परीक्षा में नहीं बैठ सका था, वह 1967 में ली जाने वाली परीक्षा में बैठ सकता है तथा
 - (i) यदि वह परीक्षा में बैठने के लिये केवल एक भवसर पाने का पाद्व है तो यह उसका एकमात भवसर माना जायेगा:
 - (ii) यदि वह परीक्षा में बैठने के लिये दो भ्रवसर पाने का पात्र है तो यह उसका पहला भैवसर माना जायेगा ।

नोट 1:-इस नियम के परंतुक (क) में दी गई व्यवस्था उस उम्मीदवार पर लागू नहीं होगी जो 1967 के दौरान सैन्य सेवा के कारण हुई या बढ़ गई विकलांगता के कारण श्रपांग हुमा था और जिसे निर्घारित कार्यक्रम के अनुसार (आपातकालीन कमीशंड ग्रफसर के मामले में) अथवा श्रपने सेवाकाल की समाप्ति पर (अल्पकालीन सेवा कमीशंड ग्रफसर के मामले में) 1967 में निर्मुक्त होना था।

- नीट 2 इस नियम के परंतुक (क) की घारा (1) में दी गई व्यवस्था उस उम्मीदवार पर लागू नहीं होगी जो परीक्षा में केवल एक ही बार बैठने का पाल है और जो 1966 के दौरान सैन्य सेवा के कारण हुई या बढ़ गई विकलांगता के कारण ख्रयांग हुआ या तथा जिसे निर्धारित कार्यंक्रम के धनुसार (आपातकालीन कमीशंड अक्तर के मामले में) अथवा अपने सेवा कचल की समाप्ति पर (अल्पकालीन सेवा कमीशंड अक्तर के मामले में) 1967 में निर्मुक्त होना था।
- 9. उम्मीदवार के पास परिणिष्ट में उल्लिखित किसी विश्वविद्यालय की डिग्नी श्रश्रवा परि-भिष्ट-I (क) में उल्लिखित कोई एक योग्यता होनी चाहिये।

नोट:—यदि कोई उम्मीदवार ऐसी परीक्षा में बैठ चुका हो जिसे उत्तीर्ण कर लेने पर वह इस परीक्षा में बैठ सकता है परन्तु श्रभी उसे परीक्षा के परिणाम की सूचना निमली हो तो ऐसी स्थिति में वह इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिये आवेदन कर सकता है। जो उम्मीदवार इस प्रकार की श्रहेंक परीक्षा (क्वालिफाइंग एक्जामिनेशन) में बैठना चाहता हो वह भी आवेदन कर सकता है, बगर्ते कि वह श्रहेंक परीक्षा इस परीक्षा के प्रारम्भ होने से गहले समाप्त हो जाये। यदि ऐसे उम्मीदवार अन्य गर्ते पूरी करने होंगे तो उन्हें परीक्षा में बैठने दिया जायेगा, परन्तु परीक्षा में बैठने की यह अनुमति अनंतिम मानी जायेगी और यदि वे अहंक परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण जल्दी संजल्दी, और हर हालत में इस परीक्षा के प्रारम्भ होने की तारीख से श्रधिक-से-अधिक दो महीने के भीतर प्रस्तुत नहीं करते तो यह अनुगति रह की जा सकती है।

नोट II.:—विशेष परिस्थितियों में मंघ लोक सेवा आयोग ऐसे किसी उम्मीदवार को, जिसके पास उपर्युक्त कोई अईता नही है, योग्य मान सकता है, वशर्तिक उसने अन्य संस्थाओं वारा ली गई ऐसी परीक्षाऐं उत्तीर्ण कर ली हैं, जिनके स्तर को देखते हुए आयोग यदि उचित समझे तो उसे परीक्षा में प्रवेश दे सकता है।

नोट III :--यदि कोई उम्मोदवार अन्य दृष्टियों से योग्य है किन्तु उसके पास किसी ऐसे विदेशी विश्वविद्यालय की डिग्री है जिसका परिणिष्ट I में उल्लेख नहीं है तो वह भी भ्रायोग के पास भ्रावेदन कर सकता है और आयोग यदि चाहे तो उसे परीक्षा में प्रवेश दे सकता है।

10. यदि पिळली परोक्षा के परिणाम के ब्राधार पर किसी उम्मीदवार की भारतीय प्रशासनिक सेवा या भारतीय विदेश सेवा में नियुक्ति हो जाती है तो वह इस परीक्षा में बैठने का पाब नहीं होगा।

यदि पिछजी परीक्षा के परिणाम के ब्राधार पर किसी उम्मीदवार की नियुक्ति नीचे स्तम्ब (ii) में उल्लिखित किसी सेवा में हो जाती है तो वह इस परीक्षा में केवल उन्हीं सेवाओं के लिखे नेटने का पात्र होगा जो उक्त सेवा के सामने नीचे स्तंभ (ii) में दी हुई हैं :—

ऋम सं ख्या	जिस सेवा में निय <mark>ुक्ति हु</mark> ई	जिन सेवाग्रों के लिये परीक्षा में बै ठने का पात्र है
(i)	(ii)	(iii)
1.	भारतीय पुलिस सेवा	भारतीय प्रशासनिक सेवा, भारतीय विदेश सेवा तथा श्रन्य केन्द्रीय सेवाएं, क्लास[]।
2.	केन्द्रीय सेवाएं, क्लास (भारतीय विदेश मेवा को छोड़कर) ।	भारतीय प्रशासनिक सेवा, भारतीय विदेश मेवा तथा भारतीय पुलिम सेवा।
3.	केन्द्रीय मेवाएं, क्लास II, दिल्ली-हिमाचल प्रदेश तथा श्रन्डमान निकोबार द्वीप- ममूह सिविल सेवा, तथा दिल्ली-हिमा- चल प्रदेश तथा श्रन्डमान एवं निकोबार द्वीप ममूह पुलिस सेवा I	•

^{11.} मगस्त नेवाम्रों में कार्य कर रहे उम्मीदवार को चाहिए कि वह इस परीक्षा के लिये अपना आवेदन-पत्न अपने यूनिट को कमाड करने वाले अफसर के मामने प्रस्तुत कर दे, जो उसे संघ लोक सेवा भायोग के पास भेज देगा।

सरकारी सेत्रा में लगे अत्य सभी उम्मीदत्रारों को परीक्षा में बैठने के लिये अपने विभाग के अध्यक्ष मे पूर्व अनुमति अवस्य प्राप्त कर लेनी चाहिये।

12. परीक्षा में बैठने के लिये उम्मीदवार की पात्रता या भ्रपात्रता के बारे में आयोग का निर्णय श्रंतिम होगा।

- 13 किसी उम्मीदवार को परीक्षा में तब तक नहीं बैंटने दिया जायेगा, जब तक कि उसके पास आयोग का प्रवेश-पत्र (सार्टिफिकेट आफ एडीमणन) नहीं होगा।
- 14. यदि कोई उम्मीदवार कियो भी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी के लिये पैरवी करने की कोई कोशिश करेगा तो उसे परीक्षा में बैठने के लिये अयोग्य घोषित कर दिया जायेगा।
- 15. किसी दूसरे व्यक्ति से परीक्षा दिलवाने अथवा जाली या फेर-बदल किए हुए प्रमाण-पत्न पेश करने अथवा गलन या झूठी वात बताने अथवा किसी तथ्य को छिपाने या परीक्षा में सम्मिलित होने के लिये कोई अन्य अनिर्यासन या अनुचित उपाय अपनाने, परीक्षा भवन में कोई अनुचित उपाय अपनाने या अपनाने की चेष्टा करने अथवा परीक्षा भवन में किसी तरह का अनुचित आचरण करने पर आयोग ने यदि किसी उम्मादवार को अपराधी घोषित किया है तो उम्मादवार के विरुद्ध दाण्डिक अभियोजन के अतिरिक्त निम्नलिखित कार्यवाई की जा सकती है:—
- $(\pi)(i)$ मंघ लोक सेवा श्रायोग द्वारा, उम्मीदवारों के चुनाव के लिये श्रायोजित किमी परीक्षा में मिम्मिलित होने श्रथवा किमी साक्षात्कार में उपस्थित होने से, तथा
- (ii) केन्द्रीय सरकार द्वारा, सरकार के श्रन्तर्गत नौकरियों से, उसको सदा के लिये श्रयका किसी विशेष श्रयका किसी विशेष श्रयका
- (ख्र) यदि वह पहले से ही सरकार की सेवा में हो तो उचित नियमों के श्रधीन अनुणासनिक कार्रवाई हो सकती है ।
- 16. स्रायोग लिखित परोक्षा में स्रपने निर्णय पर निर्धारित न्यूनतम स्रर्हता-स्रंक (Qualifying marks) प्राप्त उम्मीयवारों को मौखिक परोक्षा के लियं ब्लाबेगा।
- 17. परीक्षा के बाद, श्रायोग उम्मीदवारों के द्वारा प्राप्त कुल प्रको के आधार पर याग्यता-क्रम से उनकी सूची बनायेगा श्रीर उभी कम में उन उम्मीदवारों में में जितने लोगों को श्रायोग अपने निर्णय के अनुगार परीक्षा के आधार पर अर्ह्ना-प्राप्त समझेगा, उन्हें इन रिक्नियों पर नियुक्त करने के लिये सिफारिश करेगा।

लेकिन शर्त यह है कि यदि श्रायोग श्रनुसूचित जातियों श्रीर श्रनुसूचित श्रादिम जातियों के किसी ऐसे उम्मीदवार को, जो किसी सेवा के लिय प्रायोग द्वारा निर्भारित मान के श्रनुसार योग्य सिद्ध न हो, प्रशासन की कुशनता को ध्यान में रखते हुये उस सेवा पर नियुक्ति के लिये उपयुक्त घोषित कर है, तो उसकी उस सेवा में, यथारि गि. शन्सूचित जातियों और अनुसूचित श्रादिम जातियों के उम्मीदवारों के लिये श्रारक्षित रिक्तियों पर नियुक्ति के लिये श्रायोग सिफारिश करेगा।

- 18. (क) यदि परीक्षा फा के आधार पर, निर्मुक्त श्रापातकालीन आयुक्त/श्रल्पकालीन सेवा आयुक्त श्रफमरों के लिये आरक्षित रिक्तियों को भरते के लिये पर्याप्त संख्या में श्रह्ता-प्राप्त उम्मीदवार नही होंगे, तो अपूरित रिक्ष्तियों को इस सम्बन्ध में भारत सरकार द्वारा समय-समय पर निर्धारित विधि से भरा जायेगा ।
- (ख) यदि ग्रहंता-प्राप्त उम्मोदवारों की संख्या, निर्मुक्त भ्रापातकालीन श्रायुक्त/श्रल्पकालीन सेवा श्रायुक्त श्रफगरों के लिये श्रारक्षित रिक्तियों की संख्या से श्रधिक होगी, तो जो व्यक्ति नियुक्त नहीं हुए हैं उनके नामों को श्रागामी वर्ष (वर्षों) में उनके लिये श्रारक्षित रिक्तियों के नियतांग (quota) के श्रनुसार नियुक्ति के लिये प्रतिक्षा सूची (सूचियों) में रख दिया जायेगा।

- 19. हरेक उम्मीदवार को परीक्षाफल की सूचना किस रूप में ग्रौर किस प्रकार की जाये, सका निर्णय श्रायोग स्वयं करेगा । श्रायोग परीक्षा-फल के बारे में किसी भी उम्मीदवार से पत्राचार नहीं करेगा ।
- 20 उम्मीदवार ने श्रामा खावेदन-पत्न देने समय जो ग्रपना खिधमान-क्रम (Preference) बनाया होगा, उस पर उचित रूप से विचार किया जायेगा, परन्तु भारत सरकार को उसे ऐसी कोई भी सेवा सौंपने का खिधकार है जिसके लिये वह उम्मीदवार हो।

बशर्तें कि यदि कोई उम्मीदबार पिछली परीक्षा के परिणामों के श्राधार पर भारतीय प्रशासनिक सेवा अथवा भारतीय विदेश सेवा में नियुक्त हो जाता है तो इस परीक्षा के परिणामों के आधार पर किसी अन्य सेवा के लिये उस की नियुक्ति पर विचार नहीं किया जायेगा।

श्रीर बगर्ने कि यदि कोई उम्मीदिशार पिछली परीक्षा के परिणामों के श्राधार पर नीचे स्तम्भ (ii) में उल्लिखित किसी सेवा में नियुक्त हो जाता है तो इस परीक्षा के परिणामों के श्राधार पर नीचे स्तम्भ (iii) में उसी येवा के सामने उल्लिखित सेवाश्रों के लिये ही उसकी नियुक्ति पर विचार किया जायेगा ।

%ন जिस सेता में नियुक्ति हुई जिस <mark>सेवा में नियुक्ति के लिये विचार किया</mark> सं० जायेगा

(i) (ii) (iii)

1. भारतीय पृश्विस सेवा भारतीय विदेश सेवा ग्रीर ग्रन्य केन्द्रीय सेवाएं श्रेणी——I ।

- केर्न्द्रीय सेवाएं, श्रेणी-─ा (भारतीय भारतीय प्रशासनिक सेवा, भारतीय विदेश सेवा विदेश सेवा को छोड़ कर)। श्रीर भारतीय पुलिस सेवा।
- 3. केन्द्रीय सेवाएं, श्रेणी—II, दिल्ली—हिमाचल प्रदेश और श्रंडमान श्रीर निकोबार द्वीप-समृह सिविल सेवा तथा दिल्ली-हिमाचल प्रदेश श्रीर श्रंडमान श्रीर निकोबार द्वीप— समृह पुलिस सेवा ।

भारतीय प्रशासनिक सेवा, भारतीय पुलिस सेवा, भारतीय विदेश सेवा ग्रौर ग्रन्य केन्द्रीय सेवाएं श्रेणी—T

- 21. परीक्षा में पास हो जाने से नियुक्ति का अधिकार तब तक नहीं मिलता जब तक कि सरकार भ्रावण्यक जांच के बाद संतुष्ट न हो जाये कि उम्मीदवार इस सेवा में नियुक्ति के लिये हर प्रकार से योग्य है।
- 22. उम्मीदवार को मानसिक श्रीर शारीरिक दृष्टि से स्वस्थ होना चाहिए श्रीर उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष नहीं होना चाहिए जिससे वह संबंधित सेवा के श्रिधकारी के रूप में कर्नव्यों को कुशलतापूवर्क न निभा सके। यदि सरकार या मक्षम प्राधिकारी द्वारा विहित डाक्टरी परीक्षा के बीच किसी उम्मीदवार के बारे में यह ज्ञात हो कि वह इन श्रावश्यकताश्रों को पूरी नहीं कर सकता है तो उसकी नियुक्ति नहीं की जायेगी। श्रायोग द्वारा मौखिक परीक्षा के लिये बुलाये गये उम्मीदवार की डाक्टरी परीक्षा करवाई जा सकती है।
 - नोट: --बाद में निराश न होना पड़े इसलिये उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे परीक्षा में प्रवेश के लिये श्रावेदन पत्न भेजने से पहले सिविल सर्जन के स्तर के सरकारी चिकित्सा श्रधिकारी से अपनी जांच करवाएं। नियुक्ति से पहले उम्मीदवारों की किस प्रकार की डाक्टरी जांच होगी और उसके लिये स्वास्थ्य का स्तर किस प्रकार का होना चाहिए, इसके व्यौरे इन नियमों के परिशिष्ट 12 में दिये गये हैं। रक्षा सेवाश्रों के विक्लांग कर्मचारियों के मामले में इन मामनों के संबंध में प्रत्येक सेवा की अपेक्षाओं के अनुरूप छुट दी जायेगी।
- 23. (क) जिस पुरुष उम्मीदवार की एक से अधिक जीवित पत्नियां हो या जो एक ा:नी के जीवित रहने पर भी किसी ऐसी स्थित में विवाह कर ले कि यह विवाह उक्त पत्नी के जीवित रहने की अविध में किये जाने के कारण शून्य (वायड) हो जाये तो उसे उन सेवाओं में नियुक्ति का, जिनके लिये इस प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्तियां की जानी हैं, तब तक पात नहीं माना जायेगा जब तक कि भारत सरकार संनुष्ट न हो जाये कि ऐसा करने के विशेष कारण हैं और पुरुष उम्मीदवार को इस नियम से छूट न दे दे।
- 24. भारतीय विदेश सेवा में नियुक्त श्रिष्ठिकारियों को किसी भी हालत में भारतीय नाय-रिकता प्राप्त व्यक्तियों को छोड़कर विवाह करने की श्रामित नहीं दी जायेगी।
- 25. उम्मीदवारों को सूचित किया जाता है कि सेवा में भर्ती होने से पहले ही हिन्दी का कुछ ज्ञान होना उन विभागीय परीक्षाओं में उत्तीर्ण होने की दृष्टि से लाभदायक होगा जो उम्मीदवारों को सेवा में भर्ती होने के बाद देनी पड़ती है।
- 26. इस परीक्षा के आधार पर जिन सेवाओं में भर्ती की जानी है उन के सिक्षाप्त विवरण परिणिष्ट III में दिये गये हैं।

afrimer T

भारत सरकार द्वारा अनुमोदित विश्वविद्यालयों की सुची

(नियम 9 के भ्रनुसार)

भारतीय विश्वविद्यालय

कोई भी ऐसा विश्वविद्यालय जो भारत के केन्द्रीय या राज्य विधान मण्डल के श्रिधिनियम से निगमित किया गया हो श्रौर अन्य शिक्षा सस्थान जो ससद् के श्रिधिनियम से स्थापित किया गया हो श्रभवा विश्वविद्यालय श्रनुदान श्रायोग श्रिधिनियम 1956 की धारा 3 के श्रन्तर्गत विश्वविद्यालय मान लिये जाने की घोषणा हो चुकी है।

वर्मा के विश्वविद्यालय

रगुन विश्वविद्यालय और माडले विश्वविद्यालय ।

इंगलण्ड ग्रोर बेल्स के विश्वविद्यालय

बर्मिषम, ब्रिस्टल, केम्ब्रिज, डहमे, लीड्म, लियरपूल, लद्दन, मैचेस्टर, आक्सफोर्ड, रीडिम, ख्रोफील्ड और वेल्स के विश्वविद्यालय ।

स्काटलंग्ड के विश्वविद्यालय

एबरडीन, एडिनबरा, ग्लास्गो भ्रौर सैंट एन्ड्रयूज विश्वविद्यालय ।

म्रायरलेड के विकासियालय

डबस्निन विश्वविद्यालय (द्विनिटी कालेज)।

नेशनल युनिवर्मिटी, उबलिन ।

क्वीन्स युनिवर्सिटी, बेलफास्ट ।

पाकिस्तान के विश्वविद्यालय

पजाब विश्वविद्यालय

डाका विश्वविद्यालय

सिंघ विश्वविद्यालय

राजशाही विश्वविद्यालय

परिजिष्ट T-क

परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए ग्रान्मोवित योग्यताओं की सुबी

(नियम 9 के श्रनुसार)

- 1. फांसीमी परीक्षा (Baccalaureat) ।
- 2 फांसीसी परीक्षा (Propedentique) ।
- उच्च ग्राम शिक्षा की राष्ट्रीय परिषद् (नेशनल कौंसिल श्राफ़ रूरल हायर एज्यूकेशन)
 से ग्राम सेवाग्रों में डिप्लोमा।
 - 4. विश्वभारती विश्वविद्यालय का उच्च ग्राम सेवार्ग्रों में डिप्लोमा।
- 5. श्रखिल भारतीय तकनीकी क्षिक्षा परिषद् श्राल इंडिया कौंमिल फार टैक्निकल एज्यू-किशन) से वाणिज्य में डिप्लोमा ।
- 6. प्रखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् में सिविल, यांत्रिक या बिजली इंजीनियरी में डिप्लोमा ।
- श्री श्ररविन्द श्रन्तर्राष्ट्रीय गिक्षा केन्द्र पाडिचेरी का "उच्च पाट्यक्रम", यदि "पूर्ण छात्र" (फुल स्टूडेंन्ट) के रूप में यह पाट्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा किया गया हो ।
 - 8. भारतीय खान विद्यालय, धनबाद, से खनन इंजीनियरी में डिप्लोमा ।
 - 9. भ्रलमार, गुरूकुल विश्वविद्यालय, कांगड़ी, हरद्वार
 - 10. शास्त्री, काशी विद्यापीठ, बनारस

परिशिष्ट 🚻

परीक्षाकी रूप रेखा

- प्रतियोगिता-परिक्षा के निम्नलिखित भाग होंगे :—
 - (क) तीन विषयों में निखित परीक्षा जिसका विवरण नीचे पैरा 2 में दिया हुन्ना है ।
 इससे पूर्णाक 450 होंगे ।
 - (ख) उन उम्मीदवारों के लिए मौखिक परीक्षा जिन्हें आयोग इस प्रयोजन के लिए बुलाएगा। इसके पूर्णीक 250 होंगे और इनमें से 50 श्रंक मशस्त्र सेना के सेवा-वृत के मूल्यांकन के लिए रखे जाऐगे।
- 2. लिखित परीक्षा के विषय, निर्धारित समय और प्रत्येक विषय के पूर्णीक इस प्रकार होंगे:---

			विष	य			निर्धारित समय	पूर्णांक
(i)	निबंध						3 घंटे	150
(ii)	सामान्य	श्रंग्रेजी	-	• ,	•	•	3 घंटे	150
(iii)	सामान्य	ज्ञान					3 घंटे	150

- 3. परीक्षा का पाठ्य-विवरण संलग्न भ्रनुसूची के श्रनुसार होगा। लिखित परीक्षा के प्रत्येक विषय के लिए वही प्रग्न-पत्र होंगे जो इस परीक्षा के साथ ही ली जाने वाली नियमित भारतीय प्रणासनिक सेवा भ्रादि परीक्षा की योजना के ग्रनुसार उपयुक्त विषयों के लिए होंगे।
 - सभी प्रश्न पत्नों के उत्तर अंग्रेजी में ही लिखने होंगे।
- 5. उम्मीदवारों को प्रश्नों का उत्तर अपने हाथ से लिखना होगा । उन्हें किसी भी हालत में उनकी घोर से उत्तर लिखने के लिए किसी अन्य व्यक्ति की सहायता लेने की घन्मति नहीं दी जाएगी ।
- 6. श्रायोग श्रपने निर्णय से परीक्षा के किसी एक या सभी विषयों के श्रहंता श्रंक (क्वालिफाइंग मार्क्म) निर्धारित कर सकता है।
- 7. यदि किसी उम्मीदवार की लिखावट आसानी से पढ़ने लायक नहीं होगी तो इस के लिए उसे मन्यया प्राप्त क्ल अकों में से कुछ श्रंक काट लिए जाएँगे ।
- 8. उम्मीदवार को प्रत्येक विषय में दिए गए नम्बरों में से श्रायोग द्वारा निर्धारित नम्बर इस**बिए** काट लिए जाऐगे कि कहीं सतही ज्ञान को ना काई महत्व नहीं दिया गया है ।
- 9. परीक्षा के सभी विषयों में इस बात का विजेष ध्यान रखा जाएगा कि श्रक्षिव्यक्ति कम-से-कम शब्दों में कमवद तथा प्रभावपूर्ण ढंग से और ठीक-ठीक की गई है ।

भ्रनुसूची

भाग-(क)

[परिणिष्ट Π की धारा Π की उप-धारा (क) के ध्रनुसार]

- 1. निबंध—उम्मीदवारों से यंग्रेजी में एक निबंध लिखने की ध्रपेक्षा की जाएगी। चुनाव के लिये कई विषय दिये जाएंगे। उनसे श्राणा की जाएगी कि वे निबंध के विषय की परिधि में ही ग्रपने विचारों को कम से व्यवस्थित करें ग्रीर मंक्षेप में लिखें। प्रभावपूर्ण ग्रीर ठीक-ठीक भावाभिव्यक्ति को प्रथय दिया जाएगा।
- 2. सामान्य यंग्रेजी—प्रण्त इस प्रकार के हांगे जिनसे उम्मीदवारों के अंग्रेजी भाषा के जान तथा शब्दों के मुन्दर उपयोग की सामर्थय का पता चले । कुछ प्रश्न इस प्रकार के भी रखे जाएंगे जिससे उनकी तकंशिक्त, उनकी निहितार्थ को ग्रहण कर सकते की सामर्थय तथा महत्वपूर्ण और कम महत्व विले कार्य में श्रन्तर समझ सकने की योग्यता की परीक्षा हो सके। जैसा कि श्रामतौर पर होता है संक्षेप सार-लेखन के लिए लेखांक दिए जाएंगे। संक्षिप्त एवं प्रभावपूर्ण श्रीभव्यक्ति के लिए श्रय दिया जाएगा।
- 3. सामान्य ज्ञान—मामयिक घटनात्रों के, ग्रौर ऐसी बातें जो प्रतिदिन देखते ग्रौर अनुभव करते हैं, उसके वैज्ञानिक दृष्टि से ज्ञान सहित जिसकी किसी ऐसी शिक्षित व्यक्ति से ग्राणा की जा सकती है जिसने किसी वैज्ञानिक विषय का विशेष ग्रध्ययन न किया हो । इस प्रश्न पत्न में भारतीय इतिहास ग्रौर भूगोल के ऐसे प्रश्न भी होगे जिनका उत्तर उम्मीदवारों को विशेष ग्रध्ययन के बिना ही ग्राना चाहिए । इस प्रश्न पत्न में महात्मा गांधी के उपदेशों से संबंधित प्रश्न भी होंगे ।

भाग (खा)

[परिकिष्ट 2 की धारा 1 की उप-धारा (ख) के प्रनुसार]

क्यक्तित्व परीक्ता— एक बोर्ड उम्मीदवार का इंटरब्यू लेगा । इस बोर्ड के सामने उम्मीदवार के कैरियर का वृत होगा । उसमें मामान्य रुचि की बातों पर प्रश्न पूछे जायेंगे । यह इंटरब्यू इस उद्देश्य से होगा कि सक्षम ग्रौर निष्पक्ष प्रेक्षकों का बोर्ड यह जान सके कि जिस सेवा या सेवाग्रों के लिये उम्मीदवार ने ग्रावेदन-पत्न दिया है, उसके/उनके लिये वह व्यक्तित्व की दृष्टि से उपयुक्त है या नहीं । यह परीक्षा उम्मीदवार की मानसिक क्षमता को जांचने के श्रीभप्राय से की जाती है । मोटे तौर पर इस परीक्षा अयोजन वास्तव में न केवल उसके बौद्धिक गुणों का, श्रपितु उसके सामाजिक लक्षणों ग्रौर सामाजिक चटनाग्रों में उसकी दिव का भी मूल्यांकन करना है । इसमें उम्मीदवार की मानसिक सतर्कता, धालोचना-त्मक ग्रहणगिक्त, स्पष्ट ग्रौर तर्कसंगत प्रतिपादन करने की गक्ति, सन्तुलित निर्णय की गक्ति, रुचि की विविधता ग्रौर गहराई, नेतृत्व ग्रौर सामाजिक संगठन की योग्यता, बौद्धिक ग्रौर नैतिक ईमानदारी ग्रादि की भी जांच की जाती है ।

- 2. इंटरब्यू में पूरी तरह से प्रति परीक्षा (Cross Examination) की प्रणाली नहीं प्रवनाई जाती । उसमें स्वाभाविक वार्तालाप के माध्यम से उम्मीदवार के मानसिक गुणों का उद्घाटन करने का प्रयश्न किया जाता है, परन्तु यह वार्तालाप एक विशेष दिशा में और एक विशेष प्रयोजन से किया जाता है।
- 3. व्यक्तित्व परीक्षा उम्मीदवारों के विशेष या सामान्य ज्ञान की जांच करने के प्रयोजन से नहीं की जाती, क्योंकि इसकी जांच तो लिखित प्रश्न पत्नों में पहले ही हो जाती हैं। उम्मीदवारों ते श्राणा की जाती है कि व केवल प्रपने विद्याघ्ययन के विशेष विषयों में ही समझ-बृक्ष के साथ रिच न में, परन्तु वे उन घटनात्रों में भी, जो उनके चारों ग्रीर प्रपने राज्य या देश के भीतर भीर बाहर घट रही है, तथा श्राधुनिक विचारधाराश्रों में ग्रीर उन नई खोजो में भी रूचि ले जो एक सुशिक्षित युवक में जिज्ञामा उत्पन्न करती है।

परिशिष्ट III

इस परीक्षा के द्वारा जिन सेवाम्रों में भर्ती की जा रही है उसका संक्षिप्त व्योदा :---

- भारतीय प्रशासिनक सेवा—(क) नियुक्तियां परख पर की जाएंगी जिसकी भविष दो वर्ष की होगी और उसे बढ़ाया भी जा सकेगा। सफल उम्मीदवारों को परख की भविष में, भारत सरकार के निर्णय के अनुसार निश्चित स्थान पर और निश्चित रीति से कार्य करना होगा और निश्चित परीक्षाएं पास करनी होंगी।
- (ख) यदि सरकार की राय में, किसी परखाधीन प्रधिकारी का कार्य या भ्राचरण संतोषजनक न हो या उसे देखते हुए उसके कार्य-कुशल होने की संभावना न हो, तो सरकार उसे तत्काल सेवामुक्त कर सकती है ।
- (ग) परस्व प्रविध के समाप्त होने पर, सरकार अधिकारी को उसकी नियुक्ति पर पक्का कर सकती है या यदि सरकार की राय में उसका कार्य या आवरण संतोषजनक न रहा हो , तो सरकार उसे या तो सेवा-मुक्त कर सकती है या उसकी परख प्रविध को, जितना उचित समझे, बढ़ा सकती है ।

- (घ) यदि सरकार ने सेवा में नियुक्ति करने की भपनी शक्ति किसी श्रधिकारी को सौंप रखी हो तो वह श्रधिकारी, ऊपर खण्ड (ख) श्रौर (ग) के श्रन्तर्गत, सरकार की किसी भी गक्ति का श्रयोग कर सकता है।
- (ङ) भारतीय प्रशासनिक सेवा के ग्रधिकारी, से केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार के श्रन्तर्गत, भारत में या विदेश में किसी भी स्थान पर सेवाएं ली जा सकती हैं।
 - (च) बेतन-मान---

जूनियर—ह॰ 400-400-500-40-700-कु॰ रो॰-30-1000 (18 वर्ष) सीनियर—

- (i) समय-मान रु॰ 900 (छटे या पहले)-50-1000-60-1600-50-1800 (22 वर्ष)
- (ii) सलेक्सन ग्रेड---1800-100-2000 ।

इनके भ्रतिरिक्त ग्रधिसमय-मान पद भी होते है जिनका वेतन २० 2150 से २० 3500 कक्रैहोता है और जिन पर भारतीय प्रशासिनिक सेवा के भ्रधिकारियों की पदोन्नति हो सकती है।

महगाई भत्ता समय-समय पर जारी किये गये श्रादेशों के श्रनुसार मिलेगा ।

परकाधीन ग्रधिकारियों की सेवा जूनियर समय मे प्रारम्भ होगी ग्रौर उन्हें परका पर बिताई गई श्रवधि को समय-मान मे वेतन-वृद्धि छुट्टी या पेंशन के लिए गिनने की श्रनुमित होगी।

- (छ) भविष्य निधि—-भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी, प्रखिल भारतीय सेवा (भविष्य निधि) नियमावली, 1955 से शासित होते हैं।
- (ज) खट्टी-भारतीय प्रशासनिक सेवा के श्रधिकारी श्रखिल भारतीय सेवा (खुट्टी)नियमात्रली, 1955 से शासित होते है ।
- (अ) डाक्टरी परिवर्या—भारतीय प्रशासनिक सेवा के मधिकारियों को मिखल भारतीय, सेवा (डाक्टरी परिचर्या) नियमावली, 1954 के ग्रन्तर्गत ग्रनुमत्य डाक्टरी परिचर्या की सुविधाएं पाने का हक हैं।
- (ञा) सेवा निवृति लाभ—प्रतियोगिता परीक्षा के ग्राधार पर नियुक्त किए गए भारतीय प्रशासनिक सेवा के ग्रिधकारी, ग्रिखल भारतीय सेवा (मृत्य-व-सेवा-निवृति लाभ) नियमावली, 1958 द्वारा शासित होते हैं।
- 2. भारतीय विवेश सेवा—(क) नियुक्ति परख पर की जाएगी जिसकी धविध मामतौर पर 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी। सफल उम्मीववारों को भारत में लगभग 21 मास तक प्रशिक्षण लेना होगा। इसके बाद उन्हें तृतीय सचिव या उप कोंसुल बनाकर उन भारतीयों भिशनों में भेज दिया जायेगा। जिनकी भाषाएं उनके लिए अनिवार्य भाषात्रों के रूप में नियत की गई हों। प्रशिक्षण की अविध में परखाधीन अधिकारियों को एक या अधिक विभागीय परीक्षाएं पास करनी होंगी, इसके बाद ही वै सेवा में पक्के हो सकेंगे।

- (ख) सरकार के लिए संतोषजनक रूप से परख-ग्रवधि के समाप्त होने ग्रौर निर्धाक्ति परीक्षाएं पास करने पर ही परखाधीन ग्रधिकारी को उसकी नियुक्ति पर पक्का किया जाएगा। परन्तु यदि सरकार की राय में उसका कार्य या श्राचरण संतोषजनक न रहा हो तो सरकार उसे सेवा-मुक्त कर सकती है या परख-ग्रवधि को, जितना उचित समझे, बढ़ा सकती है या यदि उसका कोई मूल पद (सब्स्टेंटिव कोस्ट) हो तो उस पर वापस भेज सकती है।
- (ग) यदि सरकार की राय में, किसी परखाधीन श्रधिकारी का कार्य या श्राचरण संतोषजनक म हो या उसे देखते हुए उसके विदेश सेवा के लिए उपयुक्त होने की संभावना व हो तो सरकार उसे तरकाल सेवा मक्त कर सकती है या यदि उसका कोई मुल पद हो तो उसे उस पर वापस भेज सकती है

(भ) बेतन-मान---

जूनियर--- रु॰ 400-400-500-40-700 कु॰ रो॰-30-1000 । सीनियर--- रु॰ 900 (छठे वर्ष या पहले)--- 50-1000-60-1600-50-1800 ।

इनके श्रतिरिक्त श्रधिसमय-मान पर भी होते हैं जिनका बेतन रु० 1800 से रु० 3500 तक होता है और जिन पर भारतीय विदेश सेवा के श्रधिकारियों की पदोन्नति हो सकती है।

(ङ) परख∍मविध में परखाधीन श्रधिकारी को इस प्रकार वेतन मिलेगा :—

पहले वर्ष-- ६० ४०० प्रति मास ।

दूसरे वर्ष-- ४० ४०० प्रति मास ।

तीसरे वर्ष --- र॰ 500 प्रति मास।

नोट--- 1. परखाधीन श्रधिकारी को परख पर बिताई गई श्रवधि, समय-मान में बेतन वृद्धि, क्कुरी या पेंसन के लिए गिनने की श्रनुमति होगी ।

- नोट --- 2. परखाधीन धिंधकारी को परख-श्रविध में वार्षिक वेतन वृद्धि तभी मिलेगी जबिक बहु निर्धारित परीकाएं (यदि कोई हो)पास कर लेगा और सरकार को संतोषश्रद प्रगति करके दिखाएगा। विभागीय परीक्षाएं पास करके श्रियम वेतन वृद्धियां भी श्रीजत की जा सकती हैं।
- (च) भारतीय विदेश सेवा के भ्रधिकारी से भारत में या भारत के बाहर किसी भी स्थान पर सेवाऐ ली जा सकती हैं।
- (छ) विदेश में नेवा करते समय, भारतीय विदेश नेवा के प्रधिकारियों को उनकी हैसियत (Status) के प्रनुसार विदेश भत्ते मिलेंगे जिससे कि वे नौकर-चाकरों और जीवन-निर्वाह के बढ़े हुये खर्च की पूरा कर सकें ग्रीर ग्रातिथ्य (इन्टरटेनमेंन्ट) संबंधी श्रपनी विशेष जिम्मेदारियों को भी निभा सकें। इसके श्रतिरिक्त, विदेश में सेवा करते समय, भारतीय विदेश सेवा के ग्रधिकारियों को निम्नलिखित रिग्रायतें भी मिलेंगी:—
 - (i) हैसियत के श्रनुमार मुफ्त सुसज्जित सकान ।
 - (ii) सहाकता प्राप्त डाक्टरी परिचर्या योजना (Assisted Medical Attendance Scheme)

के घन्तर्गत डाक्स्टरी परिचर्या की सुविधाएं।

- (iii) भारत ग्राने के लिए वापसी हवाई यात्रा का किराया, ओ फिकिक में प्रिष्ठिक दो बार श्रीर विशेष ग्रापाती स्थितियों (emergencies) में ही दिया जाएगा, जैसे—भारत में स्थित किसी निकटतम संबंधी की मृत्यु या सख्त बीमारी ग्रथवा पुत्री का विवाह ।
- (iv) भारत में पढ़ने वाले 8 से 18 वर्ष तक की भ्रायु वाले सच्यों के लिए वर्ष में एक बार वापसी हवाई यात्रा का किराया, ताकि वे लम्बी छुट्टियों में माता-पिता से मिल सकों। परन्तू इस रियायत पर कुछ शर्ते लागु होंगी।
- (V) 5 से 18 वर्ष तक की श्रायु वाले श्रधिक से श्रधिक दो बच्चों के लिए समय-समय पर सरकार द्वारा निर्धारित देशों पर, शिक्षा-भत्ता।
- (vi) विदेश में प्रणिक्षण के लिए जाते समय ग्रीर सेवा में पक्का होने पर सज्जा-भत्ता (Outfit Allowance) श्रष्टिकारी के सेवा काल की विभिन्न ग्रवस्थाग्रों में भी निर्धारित नियमों के प्रनुसार दिया जाता है। साधारण सज्जा-भत्ते के ग्रतिरिक्त, विशेष मज्जा-भत्ता भी उन ग्रधिकारियों को दिया जा सकता है जिन्हें ग्रसाधारण रूप से कठोर जलवाय वाले देशों में तैनात किया जाए।
- (Vii) विदेश में कम से कम दो वर्ष सेवा करने के बाद, श्रधिकारियों, उनके परिवारों और नौकरों के लिए, छुट्टी पर घर जाने का किराया।
- (ज) समय-समय पर संशोधित पुनरीक्षत छुट्टी नियमावली, 1933 कुछ तरमीमों के साथ, इस सेवा के सदस्यों पर लागू होगी। विदेश में की गई सेवा के लिए भारतीय विदेश सेवा के अधिकारियों को, भारतीय विदेश सेवा (PLCA) नियमावली 1961 के अन्तर्गत श्रतिरिक्त छुट्टियां मिलेंगी, जो पुनरीक्षित छुट्टी नियमावली के अन्तर्गत मिलने वाली छुट्टी के 50 प्रतिशत तक होंगी।
- (র) भविष्य निधि भारतीय विदेश सेवा के प्रधिकारी, सामन्य भविष्य निधि (केन्द्रीय सेवाएं) नियमावली, 1960 द्वारा शासित होते हैं।
- (ञा) सेवा निषृति साम--प्रतियोगिता परीक्षा के श्राधार पर नियुक्त किए गए भारतीय विवेश सेवा के प्रधिकारी उवारीकृत (Liberalised) पेंशन नियमावली 1950 द्वारा शासित होते हैं।
- (ट) भारत में रहते समय, प्रधिकारियों को वे ही रियायतें मिलगी जो उनके समकक्ष या समान हैसियत (Status) वाले सरकारी कर्मचारियों को मिल सकती हैं।
- 3. भारतीय पुलिस सेवा— (क) नियुक्ति परख पर की जाएगी जिसकी अकिछ दो वर्ष होगी और उसे बढ़ाया भी जा सकेगा। सफल उम्मीदवारों को परख की अविध में भारत सरकार के निर्णय के अनुसार निश्चित स्थान पर और निश्चित रीति से कार्य करना होगा और निश्चित परीक्षाएं पास करनी होंगी।
- (ख) } (ग) } जैसाकि भारतीय प्रशासनिक सेवाके खण्ड (ख) (ग) ग्रीर (घ) में दिया गया है। (घ)

(ङ) भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी से केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार के अन्तर्गंत, भारत रे. या विदेश मे, किसी भी स्थान पर सेवाए लो जा सकती हैं।

(घ) वेतनमान ---

जूनियर--- ७० 400-400-450-30-600-35-670-कु० रो०- 35-950 (18 वर्ष)

सीनियर— रु० 740 (छठे वर्ष या पहले) -40-1100-50/2-1250-50-1300 (22 वर्ष)

सलेक्शन ग्रेड-- ए० 1400

पुलिम उप महानिरीक्षक-- रु० 1600-100-1800 ।

पुलिस कमिश्नर, कलकला श्रोर बम्बई---र० 1800-100---2000।

पुलिस महानिरीक्षक-- ७० 2500-125/2-2750/

निदेशक, खुफिया व्यूरो-- रु० 2750।

महंगाई भत्ता समय-समय पर जारी किये गये ग्रादेशो के ग्रनुसार मिलेगा।

- (छ)] (ज) } जैसा कि भारतीय प्रशासनिक सेवा के खंड(छ), (घ), (घ्रा) धौर (इत्त) } (ञा) मे दिया गया है। (ञा)
- 4 विल्ली, हिमाचल प्रदेश और ग्रण्डमान धौर निकोबार द्वीप समूह पुलिस सेवा, श्रेणी 2
- (क) नियुक्तिया दो वर्ष के तिरु परिवीक्षाधीन रहेगी जो सक्षम प्राधिकारी के निर्णय के धनु-सार बढ़ाई भी जा सकती है। परख पर नियुक्त उम्मोदवार को केन्द्रीय सरकार द्वारा निर्धारित प्रशिक्षण लेना होगा ग्रीर विभागीय परीक्षाए देनी होंगी।
- (ख) यदि सरकार की राय मे, किसी परखाधीन भ्रधिकारी का कार्य या श्राचरण सतोष-जनक न हो या उसे देखते हुए उसके कार्यकुशन होने की सभावना न हो, तो सरकार उसे तस्काल सेवा-मुक्त कर सकती है।
- (म) जब यह घोषित कर दिया जाएगा कि ग्रमुक ग्रिधिकारी ने सतोषजनक रूप से ग्रपनी परख-ग्रयिध समाप्त कर ली है तो उसे सेवा मे पक्का कर दिया जाएगा। यदि सरकार की राय में उसका कार्य या ग्राचरण सतोषजनक न रहा हो तो सरकार उसे या तो सेवा-मुक्त कर सकती है या उसकी परख-ग्रविध को, जितना उचित समझे, बढ़ा सकती है।
- (घ) दिल्ली, हिमाचल प्रदेश श्रीर श्रण्डमान श्रीर निकोबार द्वीप समूह पुलिस सेवा के श्रिविकारी की दिल्ली-प्रशासन, हिमाचल प्रदेश या श्रण्डमान ग्रीर निकोबार द्वीप समूह की सरकार के श्रन्तर्गंत सेवा करनी होगी। उससे भारत सरकार के किसी पुलिस खुफिया विभाग में भी सेवा ली जा सकती है।

(ङ) वेतनमान:-

ग्रेड I---(सलेक्शन ग्रेड)-- ४० 900 नियत ।

मेड II-समय-मान- रु० 300-25-475-कु० रो०-25-650-कु० रो०-30-800 ।

प्रतियोगिता परीक्षा के ब्राधार पर भर्ती किए गए व्यक्ति की नियुक्ति होने पर ग्रंड II कि वेतनमान में कम-से-कम वेतन मिलेगा ।

इस सेवा के श्रधिकारी, भारतीय पुलिस सेवा (पदीश्रति से नियुक्ति) विनियमावली । 965 के श्रनुसार, भारतीय पुलिस सेवा के सीनियर मान के पदीं पर पदीश्रति पाने के पात्र होंगे।

- (च) इस सेवा,के अधिकारी उसी दर से महंगाई भत्ता और महंगाई बेतन पार्ने के हकदार होंगे जो पंजाब सरकार के समकक्ष अधिकारियों की अनुमत्य होगी।
- (छ) महंगाई भत्ता श्रीर महंगाई बेतन के मिनिरक्त, इस सेवा के भिधिकारियों को, प्रतिकर (नगर) भत्ता, मकान किराया भत्ता श्रीर पहाड़ी स्थानों तथा सुदूर स्थानों में रहने-सहने के बढ़े खर्च को पूरा करने के लिए ग्रन्थ मसे दिए जाएंगे, यदि उन्हें ड्यूटी पर या प्रशिक्षण के लिए ऐ से स्थानों पर भेजा जाएगा भीर उन स्थानों के लिए ये भसे मन्मत्य होंगे।
- (ज) इस मेवा के प्रधिकारी दिल्लो, हिमाजल प्रदेश ग्रीर ग्रण्डमान ग्रीर निकोबार द्वीप समूह पुलिस सेवा नियमावली, 1965 ग्रीर इस नियमावली को लागू करने के प्रयोजन से केन्द्रीय सरकार द्वारा दी जाने वालो हिदायतें श्रयवा बनाए जाने वाले ग्रन्य विनियम लागू होंगे। जो मामले विशिष्ट रूप से उक्त नियमों या विनियमों ग्रथवा उनके भ्रन्तर्गत दिए गए भाईगो या विगेष भादेशों के ग्रन्तर्गत नहीं भाते, उनमें ये श्रधिकारी उन नियमों, विनियमों ग्रीर भादेशों द्वारा शामित होगें जो संघके कार्यों से संबंधित सेवा करने वाले तदगुरूप (Corresponding) श्रधिकारियों पर लागू होते हैं।
 - 5. केर्न्द्रीय सूचना सेवा ग्रेड II(श्रेणी 1)---
- (क) केन्द्रीय सूचना सेवा के पद, यूचना ग्रोर प्रमारण मजाजय के विभिन्न माध्यम-पंगठनों (media organisation) में भारत भर में हैं। इन पदों के लिए पत्न कारिता ग्रीर ऐसी ही ग्रन्य व्यावमायिक मांग्यता तथा किसी समास्वरपद्म या समाचार-एजेंपी या प्रकाशन सम्था के कार्य का ग्रापुभव होना जरूरी है। यह सेवा पहली मार्थ, 1960 को बनाई गई थी।

(ख) इस सेवा में इस समय निम्नलिखित ग्रेड हैं :			
ग्रेड	वेतनमान		
श्रेणी 1			
सलैक्शन ग्रेड	रु० 2250 (नियत)		
सीनियर प्रशासनिक ग्रेड			
(सीनियर मान)	ह• 1800-100-2000		
(जूनियर मान)	र ∘ 1600-100-1800		
जूनियर प्रशासनिक ग्रेड			
(सीनियर मान)	६० 1300-60-1600		
(जूनियर मान)	το 1100-50-1400		
ग्रेड	₹ o 700-40-1100-50-50/2-1250		
ग्रेड II	रु० 400-400-450-30-600-35- 670-कु० रो०-35-850 ।		
श्रेणी 2 (राजपत्नित)			
ग्रेष्ठ III	रु० 350-25-500-30-590- कु० रो०- 30-800 ।		
श्रेणी 2 (राजपत्नित)			
ग्रेड $ {f IV}$	६० 270-10-290-15-410-कु० रो०- 15-485 ।		

(ग) सेवा के निम्नलिखित ग्रेडों में, नीचे बताई गई प्रतिशतना के श्रनुसार खाली जगहों में सीधी भर्ती की जाती हैं :---

जूनियर प्रशासनिक ग्रॅंड	12%
ग्रेड I	25%
ग्रेड II	500/
ग्रेड III	100%

उपर्युक्त ग्रेडों का बाकी खाली जगहों ग्रीर मलैक्शन ग्रेड, मोनियर प्रशासनिक ग्रेड, जूनियर प्रशासनिक ग्रेड (मीनियर मान) ग्रीर ग्रेड III की खाली जगहें भी, ठीक निचले ग्रेडों के ड्यूटी पदों (duty posts) पर कान करने वाले प्रधिकारियों में से चुने गए व्यक्तियों की पदोन्नति करके भरी जाएगी।

- (घ) (i) ग्रेड II में सीधे भरती किए गए उम्मीदवार दो वर्ष तक परिवीक्षाधीन रहेंगे। परिवीक्षा-काल में उन्हें भारतीय लोक संचार संस्थान (इंडिया इंस्टीट्युट श्राफ मास कम्यूनिकेशन) किसी समाचार-पत्न श्रयवा समाचार एजेंसी तथा सूचना एवं प्रसारण मत्नालय के विभिन्न माध्यम एककों में ग्रोर राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी में प्रशिक्षण दिया जाये । प्रशिक्षण की कुल अवधि लगभग 15 मास होगी। प्रशिक्षण की अवधि तथा स्वरूप में सरकार परिवर्तन कर सकती है। प्रशिक्षण के दौरान उन्हें राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी की 'पाठ्य-कम संपूर्ति परीक्षा' (एंड-श्राफ-द-कोर्स-टेस्ट) भारतीय लोक संचार संस्थान की प्रथम और द्वितीय विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी। विभागीय परीक्षा में भाषा-जान की परीक्षा भी सम्मिलित रहेगी। विभागीय परीक्षा में ग्रमफल होने पर उम्मीदवार को सेवा से मुक्त किया जा सकता है श्रयवा उस स्थायी पद पर प्रत्यावर्तित किया जा सकता है जिस पर उसकी पदधारिता हो।
- (ii) परख श्रवधि की समाप्ति पर, यदि स्थायी पद उपलब्ध हो तो सरकार सीधे भर्ती वाले अधिकारियों को, वर्तमान नियमों के अनुसार, उनकी नियुक्ति में पक्का कर सकती है। यदि परखा-धीन श्रधिकारी का कार्य श्रीर श्राचरण सन्तोषजनक न रहा तो उसे सेवा-मुक्त किया जा सकता है या परखा की श्रवधि उतने समय के लिये बढ़ायी जा सकती है जिलना कि सरकार ठीक समझे। यदि उसका कार्य श्रीर श्राचरण से उसके कार्यकुशल होने की संभावना न हो तो उसे तस्काल सेवा-मुक्त किया जा सकता है ।
- (iii) परिविधाधीनों को प्रारम्भ में ग्रेड II के वेतनमान में न्यूनतम बेतन मिलेगा। प्रथम विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण कर लेने के बाद परिवीक्षाधीनों का वेतन बढ़ा कर केन्द्रीय सूचना सेवा के ग्रेड II के वेतन कम में ६० 450 कर दिया जाएगा। द्वितीय विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण कर लेने पर उसका वेतन ६० 480 से ग्रिधिक वृद्धि तब तक नहीं की जाएगी जब तक कि वह भपनी सेवा के 4 वर्ष पूरे नहीं कर लेता ग्रथता भन्य भावभ्यक समझी गई गतौं को पुरा नहीं कर लेता। यदि कोई परिवीक्षाधीन राष्ट्रीय प्रशासन श्रकादमी की "पाठ्यकम-संपूर्ति-परीक्षा" में उत्तीर्ण नहीं हुग्रा हो तो उसकी प्रथम वार्षिक वेतन वृद्धि को, जिस तारीख को यह मिली होती उससे एक वर्ष के लिए ग्रथवा विभागीय विनियमों के ग्रधीन दूसरी वार्षिक वेतन वृद्धि भ्राजत होने की तारीख तक, दोनों में से जो पहले हो, रोक दिया जाएगा।
- (ङ) सरकार इस सेवा के किसी भी सदस्य को किसी विशिष्ट श्रवधि तक, संघ राज्य क्षेत्र के प्रचार संगठन में किसी पद पर रख सकती है ।
- (च) सरकार, किसी अधिकारी को सूचना ग्रीर प्रमारण मंत्रालय के श्रन्तर्गत किसी भी संगठन में किसी क्षेत्रीय पद पर रख सकती है ।
- (छ) जहां तक छुट्टो, पेंशन श्रीर सेवा को श्रन्य णतीं का सम्बन्ध है केन्द्रीय सूचना सेवा के अधिकारियों को श्रेणी I श्रीर श्रेणी II के श्रन्य श्रधिकारियों के समान समझा जाएगा ।

परिवीक्षाधीनों को यह स्पष्ट रूप से समझ लेना चाहिए कि उनकी नियुक्ति केन्द्रीय सूचना सेवा के गठन में समय-समय पर भारत सरकार द्वारा आवश्यक समझ कर किए जाने वाले प्रश्येक परिवर्तन के श्रधीन होगी श्रीर इस प्रकार के परिवर्तनों के फलस्वरूप उन्हें किसी प्रकार का मुद्यावजा नहीं दिया जाएगा।

- 6. भारतीय लेवः परीक्षां ग्रीर लेखाः सेवा ।
- 7. भारतीय स/मा शुरुक और केर शिय उत्पादन-परुक सेवा ।

8. भारतीय रका सेवा सेवा ।

- (क) नियुक्ति परस्य पर की जाएगी जिसकी भवधि 2 वर्ष की होगी। परन्तु यह भविध यहाई भी जा सकती है यदि परखाधीन अधिकारी ने निर्घारित विभागीय परीक्षाएँ पास करके, भपने श्रापको पक्का किए जाने (Confirmation) के योग्य सिद्ध न किया हो। यदि कोई अधिकारी तीन वर्ष की भविध में विभागीय परीक्षाएं पास करने में लगातार भसफल होता रहा तो उसकी नियुक्ति खत्म कर दी जाएगी।
- (च) यदि, यथा-स्थिति, सरकार या नियंत्रक और महालेखापरीक्षक की राय में, परखा-धीन श्रिष्ठकारी का कार्य या आचरण श्रसंतोषजनक हो या उसे देखते हुए उसके कार्यकुणल होने की संभावना न हो तो सरकार उसे तत्काल सेवा-मुक्त कर सकती है।
- (ग) परख-प्रविध के समाप्त होने पर, यथास्थिति, सरकार या नियंत्रक ग्रौर महालेखा-परीक्षक, श्रिधकारी को उसकी नियुक्ति पर पक्का कर सकती है / मकता है या यदि यथास्थिति, सरकार या नियंत्रक श्रौर महालेखा-परीक्षक की राय में उसका कार्य या ग्राचरण ग्रसन्तोषजनक रहा हो तो उसे या तो सेवा-मुक्त कर सकती/ सकता है या उसकी परख-श्रविध को, जितना उचित समझे, बढ़ा सकती/सकता है परन्तु ग्रस्थायी रूप से खाली जगहों पर की गई नियुक्तियों के सम्बन्ध में, पक्का करने का दावा नहीं किया जा सकेगा।
- (ष) लेखा परीक्षा के लेखा सेवा से ग्रलग किए जाने की संभावना को ध्यान में रखते हुए, भारतीय लेखा परीक्षा भीर लेखा सेवा में पिरिवर्तन हो सकते हैं भीर कोई उम्मीदवार जो इस सेवा के लिए चुना जाय इस परिवर्तन से होने वाले परिणाम के भ्राधार पर कोई दावा नहीं करेगा भीर उसे भ्रलग किए गए केन्द्रीय भीर राज्य सरकार भीर नियंत्रक भीर महालेखा परीक्षक के भ्रन्तगंत सांविधिक लेखा परीक्षा कार्यालय में काम करना पड़ेगा भीर केन्द्रीय तथा राज्य सरकारों के भ्रन्तगंत भ्रावर्ष कर के भ्रन्तगंत सांविधिक लेखा परीक्षा कार्यालय में काम करना पड़ेगा भीर केन्द्रीय तथा राज्य सरकारों के भ्रन्तगंत भ्रलय किए गए लेखा कार्यालयों के संदर्ग में भ्रन्तिम रूप से रहना पड़ेगा ।
- (ङ) मारतीय रक्षा लेखा सेवा के प्रधिकारियों से भारत में कहीं भी सेवा ली जा सकती है ग्रौर उन्हें क्षेत्र-सेवा (फील्ड सर्विस) पर भारत में या भारत से बाहर भी भेजा जा सकता है।

(च) वेतन-मान---

भारतीय लेखापरीक्षा और लेखा सेवा---

भारतीय लेखापरीक्षा ग्रीर लेखा सेवा का समय-मान---

६० 400-400-450-30-510-कु० रो०-700-40-1100-50/2-1250 ।

जूनियर प्रशासनिक ग्रेड--- ह० 1300-60-1600।

महालेखापाल--- ७० 1800-100-2000-125-2250 I

- नोट 1--परखाधीन मधिकारियों की सेवा, भारतीय लेखा परीक्षा भीर लेखा सेवा के समय-मान में कम-से-कम वेतन से प्रारम्भ होगी ग्रीर वेतन-वृद्धि के प्रयोजन से, उनकी सेवा कार्यग्रहण की तारीख से गिनी जाएगी।
- नोट 2—परखाधीन प्रधिकारियों को 400 रु० से ऊपर का वेतन तब तक नहीं मिलेगा जब तक कि वे समय-समय पर विहित नियमों के प्रनुसार विभागीय परीक्षाएं पास नहीं कर लेंगे ।
- नोट 3—-परखाधीन अधिकारियों की सेवा, ग्रेड II के समय-मान में कम-से-कम बेतन से प्रारम्भ होगी । यदि कोई परखाधीन अधिकारी राष्ट्रीय प्रशासनिक एकादमी, मसुरी की पाठ्यक्रमान्त परीक्षा पास नहीं करता तो उसकी रू० 450 तक ले जाने वाली वेनन-वृद्धि एक साल के लिये उसकी वेतन-वृद्धि की तारीख स्थगित कर दी जाएगी अथवा विभागीय नियमों के अनुसार उसकी वृसरी वेतन-वृद्धि जब पड़ने वाली हो और इन दीनों में से जो पहले पड़े तब तक वेतन-वृद्धि स्थगित रहेगी ।

भारतीय सीमाशुल्क और केग्रीय उत्पादनशुल्क सेवा

त्राधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, क्लास I, सहायक कलक्टर, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, सहायक कलक्टर, सीमाशुल्क।

その 400-400-450-30-510-すのでつい-700-40-1100-50/2 12501

डिप्टी कलक्टर, सीमा शुरूक डिप्टी कलक्टर, केन्द्रीय उत्पादन शुरूक अप्तिरिक्त कलक्टर, अपिलेट कमक्टर।

₹0 1100-50-1300-60-1600 l

कलक्टर, सीमा भुस्क कलक्टर, केन्द्रीय उत्पादन-शुरूक ७० 1800-100-2000-125-2250 ।

- (क) नियुक्तियां 2 वर्ष के लिए परिविक्षा के श्राधार पर की जाएंगी किन्तु यदि परिविक्षाधीन श्रिधिकारी निर्धारित विभागीय परीक्षाएं उत्तीर्ण करके स्थायीकरण का हकवार नहीं हो जाता तो उक्त श्रविध को बढ़ाया भी जा सकता है। तीन वर्ष की श्रविध में विभागीय प्रतियोगिताश्रों को उत्तीर्ण न कर लेने पर नियुक्ति रह भी की जा सकती है।
- (क) यवि सरकार की राय में किसी परिवीक्षाधीन ग्रिधिकारी का कार्य ग्रथवा ग्राचरण संतोषजनक नहीं है प्रथया उसके सक्षम ग्रिधिकारी बनने की संभावना नहीं है तो सरकार उसे तुरन्त सेवा-मुक्त कर सकती है ।
- (म) परिवीक्षाधीन अधिकारी का परिवीक्षाकाल पूर्ण होने पर सरकार ॄउसकी नियुक्ति को स्थायी कर सकती है अथवा यदि सरकार की राय में उसका कार्य या आचरण संतोयजनक नहीं रहा है तो सरकार या तो उसे सेवा मुक्त कर सकती है अथवा उसके परिवीक्षाकाल में अपनी इच्छानुसार वृद्धि कर सकती है किन्तु अस्थायी रिक्तियों पर नियुक्ति किये जाने ॄपर स्थायीकरण सम्बन्धी उसका कोई दावा नहीं स्वीकार किया जायेगा।

- (घ) भारतीय सीमा-शुल्क तथा उत्पादन शुल्क सेवा, क्लास I के श्रिधिकारी को भारतके किसी भी भाग में सेवा करनी होगी तथा भारत में ही "फील्ड सर्विस" भी करनी होगी ।
- नोट 1—एक परिवीक्षाधीन अधिकारी को प्रारम्भ में २० 400-400-450-30-510-द० रो० 700-40-1100-50/2-1250 के समय वेतन में न्यूनतम वेतन मिलेगा तथा वार्षिक वृद्धि के लिये अपने सेवाकाल को वह कार्यभार ग्रष्टण करने की तारीख से मानेगा।
- नोट 2---परिवीक्षाधीन श्रधिकारी को समय-वेतन-मान में ६० 400 से श्रधिक वेलन तब नहीं दिया जाएगा जब तक कि वह, समय-समय पर निर्धारित किए जाने वाले नियमों के श्रनुसार निर्धारित विभागीय परीक्षाएं उत्तीर्ण नहीं कर लेता/लेती।
- नोट 3—परिवीक्षा की अवधि में अधिकारी को विभागीय प्रशिक्षण के लिए केन्द्रीय उत्पादन गुल्क विभाग सीमा-शुल्क विभाग मादक पदार्थ (नारकोटिक्स) विभाग में तथा बुनियादी पाठ्य-कम प्रशिक्षण (फाउंडेशन कोर्स ट्रेनिंग) के लिए राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी मसूरी में नियुक्त किया जाएगा। मसूरी में प्रशिक्षण समाप्त कर लेने पर उसे "ग्रठ्यकम संपूर्ति परीक्षा" उत्तीण करनी होगी। उसे विभागीय परीक्षा के खण्ड I और खण्ड II में भी सफलता प्राप्त करनी होगी। पाठ्यकम संपूर्ति परीक्षा और विभागीय परीक्षा के किसी एक खण्ड में उत्तीण हो जाने के बाद, उसका वेतन पहली अधिम वेतन-वृद्धि देकर, ६० 450 कर दिया जाएगा। विभागीय परीक्षा के दोनों खण्डों में उत्तीण हो जाने पर उसका वेतन दूसरी अधिम वेतन वृद्धि देकर ६० 480 कर दिया जाएगा। वेतन में ६० 480 से अधिक वृद्धि तब तक नहीं की जाएगी जब तक कि वह अपनी सेवा के चार वर्ष पूरे नहीं कर लेता अथवा अन्य आवश्यक समझी जानेवाली मतों को पूरा नहीं कर लेता।

यदि कोई परिवीक्षाधीन श्रिधकारी "पाठ्यक्रम संपूर्ति परीक्षा" उत्तीर्ण नहीं करता तो उसके प्रथम अग्निम बेतन वृद्धि को, जिस तारीख से वह मिली होती उससे एक वर्ष के लिये ग्रथवा विभागीय विनियमों के अधीन दूसरी ग्रग्निम बेतन वृद्धि ग्रजित होने की तारीख तक, दोनों में से जो भी पहले हो, रोक दिया जाएगा।

्नोट 4—परिवीक्षाधीन श्रधिकारियों को यह श्रच्छी तरह समक्ष लेना चाहिए कि उनकी नियुक्ति भारतीय सीमा शृन्क तथा केन्द्रीय उत्पादन शुल्क सेवा, क्लास-I के गठन में समय-समय पर भारत सरकार द्वारा श्रावश्यक समझ कर किए जाने वाले प्रस्येक परिवर्तन के श्रधीन होगी श्रौर इस प्रकार के परिवर्तनों के फलस्वरूप उन्हें किसी प्रकार का मुशावजा नहीं दिया जाएगा।

भारतीय रक्षा लेखा सेवा :

समय माम :--

ह० 400-400-450-480-कु० रो०-700-40-1100-1150-1150-1150-1200-1200-1250।

जितयर प्रशासनिक ग्रेड—

₹º 1300-60-1600 \

६० 1600-100-1800 (मलेक्शन गेड) सीनियर प्रशासनिक ग्रेड ---

₹ 1800-100-2000-125-2250 I

रक्षा लेखा महानियंत्रक — ६० 2750 (नियत)

नोट 1.—परखान्नीन प्रधिकारियों की सेवा, समयमान में कम-से-कम बेतन से प्रारंभ होगी श्रीर बेतन बुद्धि के प्रयोजन से, उनकी कार्यग्रहण की तारीख से गिनी जाएगी।

- नोट 2.—परखाधीन अधिकारियों को 400 रूपये मे ऊपर का बेतन तब तक नहीं मिलेगा, जब तक कि समय-समय पर लागू होने वाले नियमों के अनुसार विभागीय परीक्षा पास नहीं कर लेंगे; इसके अलावा यदि कोई भी अधिकारी जो राष्ट्रीय प्रशासनिक एकादमी, मसूरी की पाठ्यकमान्त परीक्षा नहीं पास करता उसकी पहली बेतन वृद्धि जो उसे विभागीय परीक्षा का खण्ड I पास कर लेने पर प्राप्त होता उसकी तिथि एक वर्ष के लिए स्थगित कर दी जाएगी प्रथवा खण्ड II पास कर लेने के बाद जो उसे दूसरी बेतन वृद्धि मिलती और इन दोनों में से जो भी अवधि पहले पड़े तब तक स्थगित रहेगी।
- 9. भारतीय आयकर सेगा, भेणी-I (क) नियुक्ति परख पर की जायगी जिसकी अविधि 2 वर्ष की होगी। परन्तु यह अविधि बढ़ाई भी जा सकती है, यदि परखाधीन अधिकारी, निर्धारित विभागीय परीक्षाएं पास करके अपने आपको पक्का किए जाने (Confirmation) के योग्य सिद्ध न कर सके। यदि कोई अधिकारी तीन वर्ष की अविधि में विभागीय परीक्षाएं पास करने में लगातार असफल होता रहा तो उसकी नियुक्ति खरम कर दी जाएगी।
- (ख) यदि सरकार की राय में, परखाधीन अधिकारी का कार्य या आचरण असंतोषजनक हो या उसे देखते हुए उसके कार्यकुशल होने की संभावना न हो तो सरकार उसे तत्काल मेवा-मुक्त कर सकती है।
- (ग) परम्ब-म्रवधि के समाप्त होने पर, मरकार म्रधिकारी को उसकी नियुक्त पर पक्का कर सकती है, या यदि सरकार की राय में उसका कार्य या ग्राचरण ग्रमंतोषजनक रहा हो तो उसे या तो सेवा-मुक्त कर सकती है या उसकी परख-म्रवधि को, जितना उचित समझे, बड़ा सकती है; परन्तु भ्रस्थायी रूप से खाली जगहों पर की गई नियुक्तियों के पम्बन्ध में, पक्का करने का दावा नहीं किया जा सकेगा।
- (घ) यदि सरकार ने सेवा में नियुक्तियां करने की अपनी शक्ति किसी श्रधिकारी को सौंप रखी हैं तो वह श्रधिकारी ऊपर के खण्डों में उल्लिखित सरकार की कोई भी शक्ति का प्रयोग कर सकता है।
 - (ङ) वेतनमानः--

ग्राय-कर श्रविकारी, श्रेणी-I

हर 400-400-450-30-510-कु ० जेर-700-40-1100-50/2-1250।

भायकर सहायक भायकत--- कo 1100-50-1300-60-1600।

भायकर भायक्त-६० 1800-100-2000-125-2250 ।

परखाधीन श्रविधमें श्रिधकारी को राष्ट्रीय प्रशामनिक एकादमी मसूरी तथा श्रायकर प्रशिक्षण कालेज नागपुर में प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा। मसूरी में प्रशिक्षण समाप्त होने पर उसे पाठ्यक्रमान्त परीक्षा पाम करनी होगी। इसके श्रतिरिक्त परखाधीन श्रविध में विभागीय परीक्षा खण्ड I श्रौर खण्ड I भी पाम करने होंगे। पाठ्यक्रमान्त परीक्षा तथा विभागीय परीक्षा खण्ड I पास कर लेने पर वेतन बढ़ाकर 450 रु० कर दिया जायगा। विभागीय परीक्षा खण्ड I पाम कर लेने पर वेतन बढ़ाकर रु० 480 कर दिया जायगा। रु० 480 के स्तर के अपर वेतन तब तक नहीं दिया जायगा जब तक कि उस श्रिष्ठकारी की सेवा 4 वर्ष पूरी न हो चुकी हो या दूसरी ऐसी शर्तों के श्रधीन होगा जो श्रावश्यक समझा जाय।

यदि वह एकादमी की पाठ्यक्रमान्त परीक्षा पास नहीं कर लेता तो एक वर्ष के लिये उसकी बेतन वृद्धि स्थागित कर दी जायगी अथवा उस तारीख तक जब कि विभागीय नियमों के भन्तर्गत उसे दूसरी बेतन वृद्धि मिलने वाली हो और इन दोनों में से जो भी श्रवधि पहले पढ़े तब तक स्थागित रहेगी।

नोट 1.—परस्राधीन प्रधिकारी को 400 ह० से ऊपर का वेसन तब तक नहीं मिलेगा जब तक वह समय-समय पर विहित नियमों के धनुसार विभागीय परीक्षाएं पास नहीं कर लेगा।

नोद्ध 2.—परखाधीन अधिकारियों को भिनभांति समझ लेना चाहिए कि उनकी नियुक्ति भारत सरकार द्वारा माय-कर नेवा श्रेणी-मिके गठन में किए जाने वाले किसी भी एसे परिवर्तन से प्रभावित हो सकेंगी जो कि समय-समय पर उचित समझे जाने के बाद भारत सरकार द्वारा किया जाएगा भीर वह उस प्रकार के परिवर्तनों के फलस्वरूप प्रतिकर का दावा नहीं कर सकेंगे।

10. भारतीय ब्रार्डनेन्स फैस्टरी सेवा, भेगी I (गंर-तकनीकी संवर्ग)

नियुक्तियां सहायक प्रबंधक (गैर-तकनीकी) के पदों पर की आएंगी। उम्मीदवार दो वर्ष तक परख पर रहेगा। इस भवधि में उसे केन्द्रीय सरकार द्वारा निर्धारित त्यावहारिक प्रशिक्षण लेना होगा भौर विभागीय। तथा भाषा की परीक्षाएं पास करनी होंगी।

परत्न की श्रवधि समाप्त होने पर, सरकार श्रधिकारी को उसकी नियुक्ति पर पक्का कर सकती है या यदि सरकार की राय में उसका कार्य या श्राचरण संतोषजनक न रहा हो तो सरकार उसे या तो सेवामुक्त कर सकती है या उसकी परख-श्रवधि को, जितना उचित समझे, बढ़ा सकती है।

चुने हुए उम्मीदवारों को, भ्रपनी नियुक्ति के समय, इस भ्राशय का एक बांड भरना होगा कि बह श्रपनी परख-श्रवधि को सफलता-पूर्वक समाप्त करने के बाद, कम से कम तीन वर्ष तक भारतीय श्राडैनेन्स फैक्टरी सेवा में कार्य करता रहेगा। सहायक प्रबंधक, जिनका पुनरीक्षित वेतन-मान रु० 400-400-450-30-600-35-670-कु० रो०-35-950, गुणों (Merits) के घाधार पर, भारतीय घार्डनेन्स फैक्टरी सेवा के ऊंचे ग्रेडों में पढोन्नति पा सकते हैं जैसा कि नीचे दिखाया गया है:--

	घेतन-मान
 उप-प्रबंधक (गैर-तकनीकी) उप-सहायक महानिद्धािक, ब्रार्डनेन्स फैक्टरी 	इ० 700-40-1100- 50/2-1250।
 प्रबन्धक (गैर-तकनीकी) सीनियर उप-सहायक महानिवेशक, भ्रार्डनेन्स फैक्टरी 	ড ৹ 110050-1400
 सहायक महानिदेशक भ्रार्ड नेन्स फैक्टरी (ग्रेड 2) 	₹• 1300-60-1600
 महायक महानिदेशक, ग्रार्डनेन्स फैक्टरी (ग्रेड 1) 	र ० 1600-100-1800
:5. उप-महानिदेशक, भ्रार्डनेन्स फैक्टरी	ह० 1800-100-2000

विभिन्न शाखाओं तथा राष्ट्रीय प्रशासनिक श्रकादमी, मसूरी के आधारात्मक पाठ्यक्रम में प्रशिक्षण लेना पड़ेगा। मसूरी में प्रशिक्षण समान्त होने पर उन्हें पाठ्यक्रमान्त परीक्षा पास करनी होगी। विभागीय नियमों के श्रन्तर्गत विहित विभागीय परीक्षाएं भी उन्हें पास करनी होगी। पाठ्यक्रमान्त परीक्षा तथा विभागीय परीक्षा पास कर लेने पर उनका बेंतन बढ़ाकर रु० 450 कर दिया जायेगा। दो वर्ष की परखाद्यीन श्रवधि समाप्त कर लेने और स्थायी किए जाने के बाद उनका वेतन 480 रु० के स्तर पर निष्चित कर दिया जायेगा। समय-मान के श्रन्तर्गत उनकी स्थिति के श्रनुसार इसके बाद उनका निष्यिय होता रहेगा।

यदि कोई परखाधीन अधिकारी राष्ट्रीय प्रणासनिक एकादमी, मसूरी, की पाठ्कमान्त परीक्षा पास नहीं करता तो जिस तारीख को उसे पहली वेतन वृद्धि प्राप्त होती उस तारीख से एक वर्ष के लिए स्थागित कर दी जायेगी अथवा विभागीय नियमों के अन्तर्गत उसे जब दूसरी वेतन वृद्धि प्राप्त होने वाली ो और इन दोनों में से जो भी अवधि पहले पड़े तब तक स्थागित रहेगी।

11. भारतीय डाक सेवा

- (क) चुने हुए उम्मीदवारों को इस विभाग में प्रशिक्षण लेना होगा जिसकी भविध, श्राम-सौर पर, दो वर्ष से अधिक नहीं होगी। इस अविध में उन्हें निर्धारित विभागीय परीक्षा पास करनी होगी।
- (ख) यदि सरकार की राय में, किसी प्रशिक्षणाधीन श्रधिकारी का कार्य या ग्राचरण संतोषजनक न हो या उसे देखते हुए उसके कार्यकुशल होने की संभावना न हो तो सरकार उसे तत्काल सेवा-मुक्त कर सकती है।

- (ग) परख-स्रविध के समाप्त होने हर, सरकार श्रिधकारी को उसकी नियुक्ति पर पक्का कर सकती है, या यदि सरकार की राय में उसका कार्य या श्राचरण संतोषजनक न रहा हो तो सरकार उसे या तो सेधा-मुक्त कर सकती है या उसकी परख-श्रविध को, जितना उचित समझे, बढ़ा सकती है, परन्तु श्रस्थायी रूप से खाली जगहो पर की गई नियुक्तियों के संबंध में पक्का करने का दावा नहीं किया जा सकेगा।
- (घ) यदि सरकार ने सेवा में नियुक्तियां करने की भपनी शक्ति किसी श्रधिकारी को सौंप रखी हो तो वह श्रधिकारी ऊपर के खण्डों में उस्लिखित सरकार की कोई भी शक्ति का प्रयोग कर सकता है।

(ङ) वेतन-मानः---

डाक सेवा निदेशक : ६० 1300-60-1600 ।

महापोस्टमास्टर : रु० 1800-100- 2000-125-2250 ।

सदस्य, डाक-तार बोर्ड : रु० 2250-125/2-2750 ।

Senior Members, Post and Telegraph Board Rs. 3000

- (च) भारतीय डाक सेवा श्रेणी 1 के परखाद्यीन ग्रधिकारी ६० 400-400-450-30-480-510-कु० रो०-700-40-1100-50/2-1250 के निश्चित मान में ग्रपना वेतन प्राप्त करेंगे। परखाद्यीन ग्रविध में उन्हें विभाग की विभिन्न शाखाद्यों तथा राष्ट्रीय प्रशासनिक एकावसी, मसूरी के ग्राधारात्मक पाठ्यक्रम में प्रशिक्षण लेना पड़ेंगा। मसूरी में प्रशिक्षण समाप्त होने पर उन्हें पाठ्यक्रमान्त परीक्षा पास करनी होगी। विभागीय नियमों के ग्रन्तगैत विद्वित विभागीय परीक्षाएं भी उन्हें पास करनी होंगी।
- पाठ्यक्रमान्त परीक्षा तथा विभागीय परीक्षा पास कर लेने पर उनके बेतन बढ़ा रू० 450 कर दिया जायेगा। दो वर्ष की परखाधीन ग्रवधि समाप्त कर लेने ग्रौर स्थायी किए जाने के बाद उनका वेतन 480 रू० के स्तर पर निश्चित कर जायेगा। समयमान के ग्रन्तर्गत उनकी स्थिति के श्रनुसार इसके बाद उनका वेतन निश्चित होता रहेगा।
 - यदि कोई परखाद्यीन प्रधिकारी राष्ट्रीय प्रशासनिक एकादमी, मसूरी की पाठ्यक्रमान्त परीक्षा पास नहीं करता तो जिस तारीख को उसे पहली वेतन वृद्धि प्राप्त होती उस तारीख से एक वर्ष के लिए स्थगित कर दी जाएगी ग्रयवा विभागीय नियमों के ग्रम्स-गंत उसे जब दूसरी वेसन वृद्धि प्राप्त होने वाली हो ग्रीर इन दोनों में से जो भी ग्रवधि पहले पड़े तब तक स्थगित रहेची ।

(छ) परखाधीन अधिकारियों को यह भलीभांति समझ लेना चाहिए कि उनकी नियुक्ति भारत सरकार द्वारा भारतीय डाक सेवा श्रणी I, के गठन में किए जाने वाले किसी भी ऐसे परिवर्तन से प्रभावित हो सकेगी जो कि समय-समय पर उचित समझ जाने के बाद, भारत सरकार द्वारा किया जाएगा और वे इस प्रकार के परिवर्तनों के फलस्वरूप प्रसिक्त का दावा नहीं कर सकेंगे। चुने हुए उम्मीदवारों को, सरकार के निर्देशानुसार सैन्य डाक सेवा के अन्तर्गत भारत अथवा विदेश में कार्य करना होगा।

12. भारतीय रेलवे लेखा सेवा-

- (क) नियुक्ति परख पर की आएगी जिसकी श्रवधि 2 वर्ष की होगी। इस श्रवधि में दोनों में से किसी भी ग्रोर से तीन महीने का नोटिस देकर सेवा समाप्त की जा सकेगी परख श्रवधि बेढ़ाई जा सकेगी, यदि परखाधीन ग्रधिकारी निर्धारित विभागीय परीक्षाएं पास करके श्रपने ग्रापको पक्का करने के योग्य सिद्ध नहीं कर देगा। सरकार ऐसे परखाधीन ग्रधिकारी की नियुक्ति खत्म कर सकती है जो श्रपनी नियुक्ति की तारीख से तीन वर्ष के भीतर सभी विभागीय परीक्षाएं पास नहीं कर लेता।
- (ख) भारतीय रेलवे लेखा सेवा के परखाधीन श्रधिकारियों को भी रेलवे स्टाफ कालेज, बड़ौदा में प्रशिक्षण लेना होगा और कालेज प्राधिकारियों द्वारा निर्धारित परीक्षा पास करनी होगो। इस कालेज में परीक्षा देना अनिवार्य है और एक बार असफल होने पर दूसरा अवसर तभी मिल सकता है जब कि अपवादिक परिस्थितियां हों और अधिकारी का कार्य ऐसा हो कि उसे यह छूट दी जा सकती हो। हालांकि, दो वर्ष का प्रशिक्षण संतोषजनक रूप से पूरा करने पर, उन्हें किसी कार्यकारी पद (Working Post) पर लगाया जा सकता है परन्तु उन्हें तब तक पक्का नहीं किया जाता जब तक कि वे रेलवे स्टाफ कालेज, बड़ौदा की परीक्षा और अंची तथा नीची विभागीय परीक्षायों पास नहीं कर लेते।
- (ग) परखाधीन प्रधिकारियों को देवनागरी लिपि में हिन्दी की प्रनुमोदित स्तर की एक परीक्षा पहले ही या परखावधि में पास कर लेनी चाहिये। यह परीक्षा या तो गृह मंत्रालय की ग्रोर से शिक्षा निदेशालय, दिल्ली, द्वारा संचालित 'प्रवीण' हिन्दी परीक्षा हो या केन्द्रीय सरकार द्वारा मान्यता-प्राप्त कोई समकक्ष परीक्षा हो। किसी भी परखाधीन श्रिधिकारी को तब तक पक्का नहीं किया जा सकता या उसका वेतन 450 रु नहीं किया जा सकता जब तक कि वह यह परीक्षा पास नहीं कर लेता। ऐसा न करने पर सेवा समाप्त की जा सकती है। इसमें कोई छूट नहीं दी जा सकती।
- (घ) इन नियमों के अनुसार भर्ती किये गए भारतीय रेल बेलेखा-सेवा श्रिष्ठिकारी के (परखा-धीन) भी (क) पेंशन के लाभों के पाल होंगे, श्रीर (ख) समय-समय पर संशोधित राज्य रेल वे भविष्य निधि (श्रंशवान रहित) के नियमों के श्रन्तर्गत इस निधि में श्रीभदान कर सकेंगे।
- (ङ) इन नियमों के अनुसार भतकिये गये अधिकारी भारतीय रेलके अधिकारियों पर उक्षः समय लागू होने वाले छुट्टी के नियमों के अनुसार छुट्टी पाने के पात होंगे।

- परन्तु, वैतन क्रायोग की सिफारिकों को ध्यान में रखते हुए, छुट्टी के नियमों में परिवर्तन किये जा सकते हैं । उन्हें वर्तमान छट्टी नियमों को श्रपनाए रखने की श्रनुमति नहीं दी जाएगी, यदि सरकार ऐसा निर्णय करेगी ।
- (च) यदि किसी ऐसे कारण से जोकि उसके बग के बाहर न हो भारतीय रेलवे लेखा सेवा का कोई परखार्धान ग्रधिकारी परखाया प्रशिक्षण मे ही छोड़ना चाहे तो उसे श्रपने प्रशिक्षण का सारा खर्च श्रौर परख श्रविध मे उसे दी गई सब रकमें वापस करनी होंगी।
- (छ) यदि सरकार की राय में, किसी परखाधीन अधिकारी का कार्य या आचरण संतोषजनक न हो या उसे देखते हुए उस कें कार्यकुशल होने की संभावना न हो, नो सरकार उसे तस्काल सेवा-मुक्त कर सकती है।
- (ज) परख श्रविध के समाप्त होने पर, सरकार श्रिधकारी को उस की नियुक्ति पर पक्का कर सकती है या यदि सरकार की राय में उसका कार्य या श्राचरण संतोजनक न रहा हो तो सरकार उसे या तो सेवा-मुक्त कर सकती है या उसकी परख-श्रविध को, जितना उचित समझे, बढ़ा सकती है, परन्तु श्रम्थायी रूप से खाली जगहों पर की गई निय्क्तियों के सम्बन्ध में पक्का करने का दावा नहीं किया जा सकेगा।
- (झ) वेतन-मान :----
 - (क) जृतियर रु॰ 400-400-450-30-600-35-670-कु॰ रो॰ -35-950 (प्राधिकृत-मान)

सीयनथर ६० 700 [छटेवर्ष या पहले-10-100-50/2-1250 (प्राधिकृत-मान)]

ज्नियर प्रशासनिक-मानक 1300--60--1600 (प्राधिकृत-मान) मीनियर प्रशासनिक मान रु० 1800--100--2000--125--2250 (प्राधि-कृत मान) ।

(ख) यदि परखाधीन ग्रिधिकारी भ्रपनी दो वर्ष की परख-अवधि में, निर्धारित विभागीय परीक्षायें पास नहीं कर सकेगा तो क० 400 से क० 450 तक की उस की वेतन वृद्धि रोक दी जायेगी भ्रौर परख-श्रवधि बढ़ा दी जाएगी। जब वह विभागीय परीक्षाएं पास कर लेगा भ्रौर उसके बाद जब पक्का कर दिया जाएगा तो श्रन्तिम विभागीय परीक्षा समाप्त होने की तारीख के बाद श्रगले दिन से उसका वेतन समय-मान में उस श्रवस्था (Stage) पर नियन कर दिया जाएगा जो उसे अन्यथा मिला होता पर उसे वेतन का बकाया नहीं मिलेगा। ऐसे मामलों में, भावी वेतन वृद्धियों की नारीख पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

परख-ग्रवधि में परखाधीन ग्रधिकारी ज्योंहि निर्धारित परीक्षाएं पास कर लेगा, त्योंहि उसकी ६० 400–950 के जूनियर मान में ६० 400 से ६० 450 ग्रौर ६० 450 से ६० 480 की श्रप्रिम वृद्धियां मल सकेंगी, श्रिप्रिम वृद्धियां मिलने के बाद, सेवा के वर्ष को ध्यान में रखते हुए, श्रधिकारी का वैतन, ेतनमान में उनकी सामान्य स्थिति के श्रनसार विनियमित कर दिया जाएगा।

यदि कोई परखाधीन प्रधिकारी राष्ट्रीय प्रशासनिक ध्रकादमो, मसूरी की पाठ्यक्रमांत परीक्षा पास में पास नहीं करतातो जिस तारीख को उसे पहली बेसन वृद्धि प्राप्त होती उस तारीख से एक वर्षके लिए स्थिगित कर दी जाएगी अथवा विभागीय नियमों के अन्तर्गत उसे जब दूसरी वेतन वृद्धि प्राप्त होने वाली हो और इन दोनों में से जो भी अवधि पहले पड़े तब तक स्थिगित रहेगी।

- नोतः 1--परखाधीन श्रधिकारियों की सेवा जूनियर मान में कम-से-कम वेतन से प्रारम्भ होगी श्रीर वेतन वृद्धि के प्रयोजन से, वह उन की कार्य-प्रहुण की तारीख से गिनी जाएगी। परन्तु उन्हें निर्धारित विभागीय परीक्षा या परीक्षाएं पाम करनी होंगी श्रौर उस के बाद ही उन का वेतन समयमान में ६० 400 प्रति मास से ६० 450 प्रति मास किया जा सकेगा।
- नोढ 2---जो व्यक्ति पहलें से ही सरकारी सेवा में होंगे, परखाधीन श्रधिकारी के रूपमें उनकी नियुक्ति होने पर, उन का बेतन समय-समय पर लागू होने वाले नियमों शौर विनियमों के श्रनुसार नियत किया जाएगा।

1 3: सैनिक भूमि और छावनी सेवा (श्रेणी I और श्रेणी II)

- (क) नियुक्ति के लिए चुना गया उम्मीदवार परख पर रखा जाएगा जिस की अविधि श्रामतौर पर 2 वर्ष से अधिक नहीं होगी। इस अविधि में उसे छावनी भौर भूमि प्रशासन में सरकार द्वारा निर्धारित प्रशिक्षण लेना होगा जिसकी अविधि छ० महीने से कम नहीं होगी।
- (ख) परख-भविध में उम्मीदवार को निर्धारित विभागीय परीक्षायें पास करनी होंगी।
- (ग) (i) यदि सरकार की राय में परखाधीन श्रिष्ठकारी का कार्य या श्राचरण संतोषजनक न हो या उसे देखते हुए उस के कार्यकुशल होने की संभावना न हो तो सरकार उसे सेवा-मुक्त कर मकती है, परन्तु सेवा-मिक्त का श्रादेश देने से पहले, उसे सेवा-मुक्ति के कारणों से श्रवगत कराया जायेगा श्रीर लिख कर "कारण बताने" का श्रवसर भी दिया जायेगा ।
 - (ii) यदि परख श्रवधि की समाप्ति पर, श्रिधिकारी के ऊपर उप-पैरा (ख) में उल्लिखित विभागीय परीक्षा पास न की हो तो सरकार श्रपने निर्णय से या तो उसे सेवा-मक्त कर सकती है या यदि मामले की परिस्थितियों को वेखते हुए, उस की परख-श्रविध बढ़ानी श्रावश्यक हो तो वह जितना उचित समझे, परख-श्रविध को एक वर्ष तक बढ़ा सकती है ।
 - (iii) परख-अविधि के समाप्त होने पर, सरकार अधिकारी को उस की नियक्ति पर पक्का कर सकती है या यदि सरकार की राय में उस का कार्य या आचरण संतोषजनक न रहा हो तो सरकार उसे या तो सेवा-मुक्त कर सकती है या उसकी परख-अविधि को, जितना उचित समझे, बढ़ा सकती है। परन्तु सेवा-मुक्ति का आदेश वेने से पहले, अधिकारी को सेवा-मुक्ति के कारणों से अवगत कराया जायेगा और लिख कर ''कारण बताने'' का अवसर भी दिया जायेगा।
 - (घ) यदि उप-पैरा (ग) के भ्रन्तर्गत सरकार ने कोई कायवाई नहीं की तो निर्धारित परख-श्रवधि के बाद की श्रवधि में श्रधिकारी की नियुक्ति मास-प्रतिमास मानी जायेगी भ्रौर दोनों में से किसी भी ग्रोर से एक कलेंडर मास का लिखित नोटिस दे कर समाप्त की जा सकेगी, परन्तु श्रधिकारी पक्का करने का दावा नहीं कर सकेगा।
 - (ङ) इस सेवा के सदस्य को उस की परख-अविध में वार्षिक वेसन-वृद्धि देय हो जाने पर भी, तब तक नहीं मिलेगी जब तक कि वह विभागीय परीक्षा पास न कर लेगा।

जो वृद्धि इस प्रकार नहीं मिली होगी, वह विभागीय परीक्षा पास करने की तारी**ख** से मिल जायेगी ।

- (च) यदि कोई परखाधीन श्रधिकारी राष्ट्रीय प्रशासनिक एकादमी, मस्रै की पाठ्य-ऋमान्त परीक्षा पास नहीं करता तो जिस तारीख को उसे पहली वेतन वृद्धि प्राप्त होती उसतारीख से एक वर्ष के लिये स्थगित कर दी जायेगी अथवा विभागीय नियमों के अन्तर्गत उसे जब दूसरी वेतन वृद्धि प्राप्त होने वाली हो और इन दोनों में से जो भी अविध पहले पड़े तब तक स्थगित रहेगी।
- (छ) वेतनमान इस प्रकार है :---प्रकासनिक पद
- (i) निदेशक, सैनिक भूमि श्रौर छावनियां। र॰ 1800-100-2000।
- (ii) संयक्त निदेशक, सनिक भूमि श्रौर छावनियां। ४० 1600-100-1800।
- (iii) उपनिवेशक, सैनिक भूमि और छावनिया।६० 1300-60-1600।
- (iv) सहायक निदेशक सैनिक भूमि और छावनिया। र॰ 1100-50-1400।

श्रेणी--I

र्• ०

(v) उप-सहायक निदेशक, सनिक भूमि श्रीर छावनियां, सैनिक 400-400-450-संपदा श्रधिकारी श्रीर काय-पालक श्रधिकारी 30-510- कु● रो॰ 700-40-1100-50/2-

श्रेणी–II

(vi) कार्यपालक स्रधिकारी

350-25-500-3**0** 590-कु॰ रो• -30-800- कु• रो॰ 830-3**5-**900 ।

(vii) सहायक सैनिक सम्पदा अधिकारी

350-25-500-30 -590-कु॰ रो• -30-800 कु• रो• -830-35-900 |

- (ज) (i) श्रेणी i के श्रधिकारियों को, मामान्यतया, उप-सहायक निदेशक, सनिक सम्पदा श्रधिकारी, श्रोर श्रेणी I श्रोर श्रेणी II की उन छावनियों में कार्यपालक श्रधिकारी के पदों पर नियुक्त किया जायेगा जिन पर छावनी श्रधिनियम 1924 की धारा-13 की उप-धारा--(4) के खण्ड (इ) का उप खण्ड (1) लागू होता है।
 - (ii) श्रेणी II के कार्यपालक श्रधिकारियों को सामान्यतया, उन छावनियों में नियुक्त किया जायेगा जो ऊपर (i) में उल्लिखित नहीं हैं। .
- (झ) (i) सभी पदोन्नतितियां, इस प्रयोजन के लिये सरकार द्वारा नियुक्त की गई विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारियों के अनुसार, सरकार द्वारा चुन कर (by selection) की जाएंगी [वरीयता (सीनियरिटी) पर तभी विचार किया जायेगा जबकि दो या अधिक उम्मीदवारों के दावे गुणों की दृष्टि से बराबर होगें]। श्रेणी-।। से श्रेणी-। में पदोद्धन्नति होने पर, बेतन, मूल नियमावली (Fundamental rules) के अनुसार विनियमित किया जायेगा।
 - (ii) साधारणतया, किसी भी श्रधिकारी को श्रेणी I से तब तक पदोश्नत नहीं किया जायेगा जब तक कि श्रेणी- II में उसकी तीन वर्ष की सेवा पूरी नहीं गई हो।
 - (ञा) समय-समय पर संशोधित, पुनरीक्षित छुट्टी नियमावली, 1933 लागू होगी।
- (ट) इस सेवा का कोई भी सदस्य, सरकार से पहले मंजूरी लिये बिना, कोई भी ऐसा काम अपने जिम्मे नहीं लेगा जो कि उसके सरकारी काम से संबंधित नहो।
- (ठ) सैनिक भूमि श्रौर छावनी सेवा के ग्रधिकारियों से भारत में कहीं भी सेवा ली जा सकती है श्रौर उन्हें क्षेत्र-सेवा (Field service) पर भी भारत के किसी भी भाग में भेजा जा सकता है।

14. भारतीय रेलवे यातायात सेवा

- (क) नियुक्ति के लिये चुने गये उम्मीदवारों को भारतीय रेलवे यातायात सेवा में परखाधीन मधिकारियों के रुप में नियुक्त किया जायेगा। उनकी परख-धविध तीन वर्ष की होगी। इस भविध में, उन्हें पैरा (ड) में उल्लिखित प्रशिक्षण लेना होगा और कम-से-कम एक वर्ष तक किसी कार्य-कारी पद पर काम करना होगा। यदि किसी मामले में, संतोषजनक रूप से प्रशिक्षण पूरा न करने के कारण, प्रशिक्षण की भविध बढ़ाई जायेगी तो उसके भ्रनुसार, परख की कुल भविध भी बढ़ जायेगी।
- (ख) यदि किसी ऐसे कारण से, जो कि उसके वश के बाहर न हो, भारतीय रेलवे यातायात सेवा का परखाधीन भधिकारी परख या प्रशिक्षण बीच में ही छोड़ना चाहे तो उसे श्रपने प्रशिक्षण का सारा खर्च श्रीर परख-श्रवधि में उसे दी गई सब रकमें वापस करनी होंगी।
- (ग) इस सेवा में नियुक्तियां परख पर की जायेगी जिसकी श्रविध तीन वर्ष की होगी । इस अविध में दोनों में से किसी भी श्रोर से तीन महीने का नोटिस देकर सेवा समाप्त की जा सकेगी । परखाधीन श्रधिकारियों को पहले दो वर्ष तक व्यावहारिक प्रशिक्षण लेना होगा । जो श्रधिकारी इस प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक समाप्त कर लेंगे श्रौर श्रन्यणा भी उपयुक्त समझे जायेगें उन्हें कार्यकारी पष का कार्यभार सौंप दिया आयेगा, यदि उन्होंने निर्धारित विभागीय श्रौर श्रन्य परीक्षाये पास कर ली हों । व्यान रहे कि ये परीक्षायें नियमितः प्रथम प्रयास में ही पास कर ली जायें क्योंकि विशेष (एक सेप्शनल) परिस्थितियों को छोड़, बाकी किसी भी हालत में, दूसरा श्रवसर नहीं किया आयेगा । किसी परीक्षा में श्रवफल होने के परिणामस्वरुप, परखाधीन श्रधिकारी की सेवा समाप्त की जा सकती है श्रौर उसकी वेतन-वृद्धि तो हर हालत में रुक ही आयेगी । किसी कार्यकारी पद पर एक वर्ष तक कार्य करने के बाद, परखाधीन श्रधिकारियों को एक श्रीतम परीक्षा

पास करनी होगी । यह परीक्षा व्यावहारिक ग्रोर मैंद्वान्तिक दोनों प्रकार की होगी । जब परखाधीन भिक्षकारी सब तरह से नियुक्ति के लिये उपयुक्त समझ लिये जायेंगे तो उन्हें पक्का कर दिया जायेंगा । जिन मामलों में किसी कारण से परख-अविध बढाई गई हो, उनमें विभागीय परीक्षार्ये पास करने ग्रौर पक्का होने पर, समय-समय पर लागू होने वाले नियमों ग्रौर ग्रादेशों के श्रनुसार, पहुली ग्रौर बाद की केतन-वृद्धियां ली जा सकेंगी।

(घ) परखाधीन ग्रिधकारियों को, देवनागरी लिपि में श्रनुमोदित स्तर की हिन्दी की एक परीक्षा पहले ही परख-श्रवधि में पास कर लेनी चाहिए। यह परीक्षा या तो गृह मंत्रालय की श्रोर श्रि शिक्षा निदेशालय, दिल्ली, द्वारा संचालित "प्रयीण" हिन्दी परीक्षा हो या केन्द्रीय सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त कोई समकक्ष परीक्षा हो।

किसी भी परखाधीन प्रधिकारी को तब तक पक्का नहीं किया जा सकता या उसका बेतन 450 रु० नहीं किया जा सकता जब तक कि वह यह परीक्षा पास नहीं कर लेता। ऐसा न करने पर सेवा समाप्त की जा सकती है। इसमें कोई छट नहीं दी जा सकती।

- (ङ) इन नियमों के श्रनुसार भर्ती किए गए भारतीय रेलवे यातायात सेवा के श्रधिकारी (परखाधीन) भी:
 - (क) पैशन के लाभों के पात होंगे, ग्रीर
 - (खा) समय-समय पर संशोधित, राज्य रेलवे भविष्य निधि (ध्रशदानरहित) के नियमों के श्रन्तर्गत इस निधि में अभिदान कर सकेंगे।
- (च) कार्यग्रहण की तारीख से ही वेतन प्रारम्भ होगा । वेतन-वृद्धि के प्रयोजन से भी सेवा उसी तारीख से गिनी जाएगी ।
- (छ) इन नियमों के प्रनुसार भर्ती किए गए प्रधिकारी, भारतीय रेलवे प्रधिकारियों पर उस समय लागू होने वाले छुट्टी के नियमों के ग्रनुसार, छुट्टी पाने के पान्न होंगे ।

बेतन श्रायोग की सिफारिशों को ध्यान में रखते हुए छुट्टी के नियमों में परिवर्तन किए जा सकते हैं। उन्हें वर्तमान छुट्टी नियमों को भ्रपनाए रखने की भ्रनुमति नहीं दी जाएगी, यदि सरकार ऐसा निश्चय क रेगी।

- (ज) श्रधिकारियों को, श्रामतौर पर, उनकी सेवा की श्रविध पर उसी रेलवे में रखा जाएगा जिसमे वे सर्वप्रथम नियुक्त कर दिए जाएंगे। श्रौर किसी ग्रन्य रेलवे में स्थानान्तरित होने के लिए साधिकार दावा नहीं कर सकेंगे। परन्तु भारत सरकार को यह श्रधिकार है कि वह उन श्रधिकारियों को, सेवा की श्रावश्यकताश्रों को ध्यान में रखते हुए, भारत में या भारत से बाहर किसी परियोजना (project) या रेलवे में स्थानंतरित कर सके।
- (म) नियुक्त किये गये श्रिष्ठकारियों की श्रिपेक्षित वरीयका (रिलेटिव सीनियरिटी) स्ममन्तौर पर उन्हें प्रतियोगिता परोक्षा में प्राप्त हुए याग्यता कम (order of merit) के सनुसार निष्चित की जायेगी यदि प्रशिक्षण संतोषजनक रूप से पूरा न करने के कारण, किसी प्रधिकारी को प्रशिक्षण श्रविध और उसके परिणामस्वरूप परख-श्रविध बढ़ानी पड़े तो इससे उसकी वरीयतः (सीनियरिटी) भी घट सकेगी । वैसे भारत सरकार को व्यक्तिगत मामलों में अपने निर्णय अनुसार वरीयता निष्चित करने का अधिकार है। उसको यह भी श्रिष्ठकार है कि यह प्रतियोगिता परीक्षा से प्रत्यया नियुक्त प्रधिकारियों की, अपने निर्णय के अनुसार वरीयता सूची में कोई भी स्थान वे सकती है।

(ड) वेष्ठन मानः----

जूनियर ---- रु॰ 400-400-450-30-600-35-670-कु॰ रो॰ -- 35-950 (प्राधिकृत मान)।

सीनियर—र॰ 700 (छठे वर्ष या पहले)—40-1100-50/2-1250 (प्राधिकृत मान)।
जूनियर प्रशासनिक ग्रेड—र॰ 1300-60-1600 (प्राधिकृत मान)।
सीनियर प्रशासनिक ग्रेड--र॰ 1800-100-2000-125-2250 (प्राधिकृत मान)।

नोट 1—परखाधीन भ्रधिकारियों की सेवा जूनियर मान में कम- से-कम वेतन से प्रारम्भ होगी और बेतन-वृद्धि के प्रयोजन से, वह उनकी कार्य-ग्रहण की तारीख से गिनी जामेंगी। परन्तु उन्हें निर्धारित विभागीय परीक्षा या परीक्षाएं पास करनी होगी। श्रौर उसके बाद ही उनका वेतन समय-मान में रु० 400 प्रतिमास से रु० 450 प्रतिमास किया जा सकेगा।

यदि परखाधीन श्रधिकारी श्रपनी परख और प्रशिक्षण की श्रविध के पहले दो वर्षों में, विभाणीय परीक्षाएं पास नहीं कर सकेगा तो रु० 400 से 450 तक की उसकी वेतन-वृद्धि रोक दी जएगी और परख-सविध बढ़ा दी जाएगी। जब यह विभागीय परीक्षाएं पास कर लेगा और उसके बाद कब पक्का हो जाएगा तो श्रन्तिम विभागीय परीक्षा समाप्त होने की तारीख के बाद भगले दिन से उसका वेतन समय-मान में उस श्रवस्था पर नियत कर दिया जाएगा जो उसे श्रन्यथा मिला होता पर उसे वेतन का बकाया नहीं मिलेगा। ऐसे मामलों में, भावी वेतन-वृद्धियों की तारीख पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेका।

परख-प्रविध में, परखाधीन भ्रधिकारी ज्यों ही निर्धारित परीक्षाएं पास कर लेगा, स्यों ही उसको रु० 400 से 950 के जूनियर मान में रु० 400 से रु० 450 भीर रु० 450 से रु० 480 की भ्रम्भिन वृद्धियां मिल सकेंगी। भ्रम्भिन वृद्धियां मिलने के बाद, सेवा के वर्ष की ब्यान में रखते हुए अधिकारी को वैतनमान में उसकी सामान्य स्थिति के भनुसार, विनियमित कर दिया जायेगा।

यदि कोई पराधीन ग्रिक्षकारी राष्ट्रीय प्रशानिक एकादमी, मसूरी की पाठ्यक्रमान्त परीक्षा पास नहीं करता तो जिस तारीख को उसे पहले बेटन-वृद्धि प्राप्त होती उस तारीख से एक वर्ष के लिए स्थिगित कर दी जायभी ग्रथवा विभागीय नियमों के ग्रन्तगँत उससे जब दूसरी वेतन-वृद्धि प्राप्त होने वाली हो भीर इन दोनों में से वो भी ग्रविध पहले पड़े तब तक स्थिगित रहेगी।

नोष्ट 2—जो व्यक्ति पहले से ही सरकारी सेवा में होगें, परखाधीन प्रधिकारी के रूप में उनको नियुक्ति होने पर, उनका बेतन समय-समय पर लागू होने वाले नियमों श्रीर विनियमों के प्रनुसार नियत किया जाएगा।

- (ट) वेतन-वृद्धियां केवल मनुमोदित क्षेवा के लिये ही झौर विभाग के नियमों के मनुसार ही दी जायेंगी।
- (ठ) प्रशासनिक ग्रडों में पदोन्नति, स्वीकृति (establishment) स्थापना में खाली जगहें होने पर होने की जायेंगी भीर पूर्णरुप से चुना (selection) के ग्राधार पर ही की जायेंगी। एकमान्न वरीयता के ग्राधार पर ही ऐसा पदोन्नति के लिये दावा नहीं किया जा सकता।

(इ) भारतीय रेलवे यातायात सेवा के परखाधोन ग्राधिकारियों के प्रशिक्षण का पाठ,यकम ।

नोट 1--जिन उम्मोदवारों ने भारत में या श्रोर कहीं प्रशिक्षण या श्रनुभव पहले कभी प्राप्त कर रखा हो, उनके मामने में भारत सरकार को श्रपनें निर्णय के श्रनुमार प्रशिक्षिण-श्रवधि घटाने का श्रक्षिकार है।

नोट 2—परखाधीन अधिकारियों को भी रेलवे स्टाफ कालेज, बड़ौदा में दो दौर में प्रशिक्षण लेना होगा। इस कालेज में परीक्षा देना अनिवार्य है और एक बार असफल होने पर दूसरा अवसर तभी मिल सकता है जबिक आपवादिक परिस्थितियों हों और अधिकारी का कार्य अभिलेख ऐसा हो कि उसे यह छूट दो जा सकती है। परीक्षा में असफल होने पर पर परस्वाधीन अधिकारियों की सेवा समाप्त की जा सकेगी, उनके अशिक्षण और परख की अवधि आवश्यकतानुसार बढ़ा दो जायेगी और उन्हें किसी भी हालत में तब तक पक्षा नहीं किया जायेगा जब तक कि वे परीक्षायें पास नहीं कर लेंगी।

नोट 3-नीचे जो प्रशिक्षण का कार्यक्रम दिया गया है वह मुख्य रूप से मार्ग-दर्शन क प्रयोजन से बनाया गया है। इसमें महाप्रवधंकों द्वारा श्रपने निर्णय के श्रनुसार स्थिति-विशेष को ध्यान में रखते हुए परिवर्तन किये जा सकते हैं, परन्तु सामानन्यतया प्रशिक्षण की कुल श्रवधि श्रटाई महीं जानी चाहिए।

(1) पाठ्यक्रभ की अवधि ---दो वर्ष।

	विषय	ग्रविष्.
		मास
1	रौष्ट्रीय प्रशासन भ्रकादमी, मसूरी	4
2	एरिया स्कल, गार्ड की ड्यूटी सीखने के लिए	1
3	गार्ड का काम	3
4	बड़ोदा स्टाफ कालेज में प्रशिक्षण का पहला दौर	3
5	टिकट घर, पार्सल कार्यालय, माल -गोदाम श्रौर यातान्तरण शैंड	1
6	यातायात लेखा कार्य, जिसमें वीराकार लेखा-निरीक्षक के साथ काम	
	करना ग्रीर स्टेशन पर खुद संतुलन-पत्न बनाना भी शामिल∡ेहै ;	11
7	एरिया स्कूल में, सहायक स्टेशन मास्टर की योग्यता प्राप्त करने के लिये	1
8	यार्डमास्टर, सहायक स्टेशन मास्टर, स्टेशन मास्टर, यार्ड फोरमैन श्रीर	
	गाड़ी परीक्षण का काम	8
9	सहायक लोकों फोरमेन का काम	1
10	सहायक नियंद्रक का काम	2

विषय	झविष
	मास
11. बड़ौदा स्टाफ कॉलेज में प्रशिक्षण (दूस	रा दौर) 1🖠
12. (क) डिस्ट्रिक्ट या डिबीजन कार्यालय में	प्रशिक्षण 1
(ख) सहायक बिजली नियंत्रक का प्रशि	ाक्षण 1 1
13. मुख्यालय (परिचालन कार्यालय) में प्र	शिक्षण 1 1
14. मुख्यालय (वाणिज्य कार्यालय) में प्रशिष्	ाण 1 1
	231
विभिन्न प्रशिक्षण कार्यों को करने के लिये	की जाने वाली
यात्रा के लिये भ्रौर भ्रपरिहार्य छट्टियों वे	ः लिये
नियत की गई मवधि 🛔	1/2
	-
5	हुल 24 मास

(2) यदि परखाधीन म्रधिकारी म्रपने दो वर्ष के प्रशिक्षण के मन्त में परीक्षा पास कर लेगा तो उसे म्रगले एक वर्ष के लिये किसी कार्यकारी पद का भार परख पर सौंप दिया जायेगा। परीक्षा, म्रावश्यकता म्रनसार, पाठ्यक्रम पूरा होने पर तथा प्रशिक्षण-म्रवधि में निश्चित समय पर ली जायेगी।

नोट--- िकसी परखाधीन श्रधिकारी को, स्वतंत्र रूप से गार्ड, सहायक स्टेशन मास्टर, स्टेशन मास्टर, यार्ड फोरमैन, सहायक लोकोमोटिव फोरमैन या सहायक नियंत्रक का काम सींपने से पहले यह श्रावश्यक है कि प्रशासन के किसी जिम्मेदार श्रधिकारी द्वारा उक्त प्रत्येक पद के कार्य के सम्बन्ध में उसकी परीक्षा ली जाये श्रीर योग्य घोषित किया आये।

15. केन्द्रीय सचिवालय सेवा, धनुभाग ग्रविकारी ग्रेड, श्रेणी-]]

(क) केन्द्रीय सचिवालय सेवा मे इस समय निम्नलिखित ग्रेड है :---

ग्रेड	वेतनमान
सलैक्शन ग्रेड उप-सचिव या समकक्ष	रु 1100-50-1300-60-1600- 100-1800
ग्रेड-I ग्रवर सचिव	₹ 900-50-1200

विषय	ग्रथमि		
प्रनु भाग मधिकारी ग्रेड− <u>I</u>	रु० 350—25—500—30—590-कु० रो०-30—800-कु० रो०—30 —830—35—9001		
सहायक ग्रेड	रु० 210—10—270 ~15—300-कु० रो०15—450-कु०रो० 20 ~ 530 ।		

सलैक्शन ग्रेड और ग्रेड का नियंत्रण अखिल-सचिवालय आधार पर गृह मंत्रालय करता है और अनु-भाग अधिकारी / सहायक ग्रेड मंत्रालयों द्वारा नियंत्रित किये जाते हैं।

केवल अनुभाग श्रिधिकारी ग्रेड ग्रीर सहायक ग्रेड में ही सीधी भर्ती की जाती है।

- (ख) श्रनुभाग प्रधिकारी ग्रेड में सीधे भर्ती किये गये स्रधिकारियों को दो वर्ष तक परख पर रखा जायेगा। इस परख श्रवधि में उनको सरकार के द्वारा निर्धारित प्रणिक्षण लेना होगा मौर विभागीय परीक्षायें पास करनी होंगी, यदि परखाधीन श्रधिकारी प्रणिक्षण-श्रवधि में पर्याप्त प्रगति न विश्वा सके या परीक्षाएं पास न कर सके तो उन्हें सेवा-मुक्त कर दिया जायेगा।
- (ग) परख-प्रविध के समाप्त होने पर, सरकार प्रधिकारी को उसकी नियुक्ति पर पक्का कर सकती है या यदि सरकार की राय में उसका कार्य या भ्राचरण संतीषक्षनक न रहा हो तो सरकार उसे या तो सवा-मुक्त कर सकती है या उसकी परख-ग्रवधि को, जितना उचित समझे, बढ़ा सकती है।
- (घ) यदि सरकार ने सेवा में नियुक्ति करने की ग्रपनी शक्ति किसी ग्रधिकारी को सौंप रखी हो तो वह ग्रधिकारी उपर्यक्त ब्रंखण्डों में विणित सरकार की किसी भी शक्ति काप्रयोग कर सकता है।
- (ङ) भनुभाग भिक्षकारियों को सामान्यतया "भ्रनुभागों" का श्रष्टमक्ष बनाया जायेगा श्रौर ग्रेड-I के श्रीवकारियों को, सामान्यतया शास्त्राभ्रों का कार्बभार सौंपा जायेगा, जिनमें एक या श्रीवक श्रनुभाग होंगे।
- (च) श्रनुभाग अधिकारी, इस सम्बन्ध में समय-समय पर लागू होने वाले नियमों के श्रनु-सार ग्रेड-I में पदोन्नति पा सकेंगे।
- (छ) केन्द्रीय सचिवालय सेवा के ग्रेड-I के ग्रधिकारी, केन्द्रीय सचिवालय में सलैक्शनः ग्रेड की सेवा में भौर भन्य ऊंचे प्रशासनिक पदों प्रर नियुक्ति पाने के पात्र होंगे।
- (ज) जहां तक केन्द्रीय सचिवालय सेवा के श्रधिकारियों की छुट्टी पेंशन श्रीर सेवा की श्रन्य शर्ती का सम्बन्ध है, वे श्रन्य श्रेणी-I श्रीर II के श्रधिकारियों के समान ही समझे जायेंगे।

16. सीमा-काल्क मूल्य-निचपक सेवा, श्रेणी $-\Pi$

(क) निर्धारित वेतनमान ६० 350-25-500-30-590-कु० रो०-30-800 कु० रो०-830-35-900 है । इस सेवा में सीघे भर्ती किये जाने वाले श्रधिकारियों को दो वर्ष तक परख पर रखा जायेगा । इस परख भ्रवधि में उन्हें केन्द्रीय उत्पादन शुल्क भ्रौर सीमा शुल्क बोर्ड द्वारा निर्धारित प्रशिक्षण लेना होना ग्रौर विभागीय परीक्षा पास करनी होगी। प्रशिक्षण की भविध में पर्याप्त प्रगति न विखा सकते पर या परीक्षा पास न कर सकने पर, परखाधीन श्रधिकारियों को सेवा मुक्त कर विया जायेगा।

- (ख) परख-श्रवधि के समाप्त हो जाने पर श्रौर विभागीय-परीक्षा सफलतापूर्वक पास करने पर, अधिकारी पक्के किये जा सकेंगे, यदि स्थायी पद उपलब्ध होंगे। यदि सम्बन्धित सीमा-शुल्क समाहर्ता की राय में परखाधीन श्रधिकारी का कार्य या ग्राचरण संतोषजनक न हो तो उसे सेवा-मुक्त किया जा सकता है या उसकी परख-अवधि उतनी बढ़ाई जा सकती है जितनी कि सम्बन्धित सीमा शुल्क समाहर्ता उचित समझे।
- (ग) मूल्य-निरूपक के रूप में सेवा की अवधि समाप्त होने पर अधिकारी रू० 600-50-950- के वेतनमान में प्रधान मूल्य-निरूपक के ग्रेड में पदोन्नित पाने के पात्र हो जायेंगे और उसके बाद वे सहायक समाहत्त्री, श्रेणी-[के पदों पर पदोन्नत हो सकेंगे।
- (घ) जहां तक छुट्टी पेशन ग्रौर सेवा की ग्रन्य गर्ती का सबध है वे श्रेणी $-\mathbf{H}$ के ग्रन्य ग्रधि-कारियों के समान समझे जायेंगे ।

नोट-- अपर दिये गये वेतन ग्रीर ग्रेड बदले जा सकते हैं।

${f 17}$. बिल्ली, हिमाचल प्रदेश ग्रीर ग्रंदमान ग्रीर निकीबारद्वीप समह सिविल सेवा, श्रेणी- ${f II}$

- (क) नियुक्ति परखा पर की जायेगी जिसकी श्रविध को वर्ष की होगी और उस सक्षम प्राधिक कारी के निर्णय के श्रनुसार बढ़ाया भी जा सकेगा। परखा पर नियुक्त उम्मीदवार को केन्द्रीय सरकार द्वारा निर्धारित प्रशिक्षण लेना होगा और विभागीय परीक्षाएं देनी होंगी।
- (ख) यदि सरकार की राय में, किसी परखाधीन श्रधिकारी का कार्य या श्राचरण संतोषजनक न हो या उसे देखते हुए उसके कार्यकुशल होने की संभावना न हो तो सरकार उसे तत्काल सेवा-मुक्त कर सकती है ।
- (ग) जब यह घोषित कर दिया जायेगा कि भ्रमुक ग्रिधकारी ने संतोषजनक रूप में भ्रपनी परख-श्रविध समाप्त कर ली है तो उसे सेवा में पक्का कर दिया जायेगा। यदि सरकार की राय में उसका कार्य या भ्राचरण संतोषजनक न रहा हो तो सरकार उसे या तो सेवा-मुक्त कर सकती है या उसकी परख-श्रविध की, जितना उचित सम्भें, बढ़ा सकती है।
- (घ) उस सेघा के म्रधिकारी को, दिल्ली प्रशासन, हिमाचल प्रदेश या भ्रण्डमान निकोबार द्वीप समूह में इन क्षेत्रों में प्रशासन/सरकार के श्रन्तर्गत सेवा करनी होगी।
 - (ङ) ेतनमान :---

ग्रेड I—(सलेक्शन ग्रेड)--- ए० 900-50-1200 ।

भीड II—६० 300-30-510-कु० रों० 30-600-40-720- कु० रो०-40-800-50-850। प्रतियोगिता परीक्षा के श्राधार पर भर्ती किये गये व्यक्ति की नियुक्ति होने पर ग्रेड II के बेतनमान में कम-से-कम बेत मिलेगा ।

उक्त सेवा के श्रविकारी, भारतीय प्रशासनिक सेवा (पदोन्नति से नियक्ति) विनियमावली, 1955 के श्रनुसार, भारतीय प्रशासनिक सेवा के भीनियर मान पदो पर पदोन्नति पाने के पात होग ।

- (च) उक्त सेवा के श्रधिकारी उसी दर से महंगाई भत्ता पाने के हकदार होंगे जो पजाब सरकार के समकक्ष श्रधिकारियों को श्रनुमत्य होगी ।
- (छ) महगाई भत्ता के स्रितिरिक्त, इस सेवा के श्रिधिकारियों को प्रतिकर (नगर) भत्ता, मकान कि गया भता श्रौर पहाड़ी स्थानों तथा सुदूर स्थानों में रहन-पहन के बढ़े हुए खर्च को पूरा करने के लिये श्रन्य भते दिये जायेंगे, यि उन्हें ड्यटो पर या प्रशिक्षण के लिए ऐसे स्थानो पर भेजा जायगा और जिन स्थानों के लिये ये भत्ते अनुमत्य होंगे।
- (ज) इस सेवा के अधिकारियों पर दिल्ली, हिमाचल प्र श और अण्डमान नीकोबार द्वीप समूह पुलिस सेवा नियमा ली 1965 और इस नियमावली को लागू करने के प्रयोजन से केन्द्रीय सरकार द्वारा दी जाने वाली हिदायतें अथवा बनाये जाने वाले अन्य विनियम लागू होंगे। जो मामले विशिष्ट रूप से उनत नियमों या विनियमों अथवा उनके अन्तर्गत दिये गये आदेशों या विशेष आदेशों के अन्तर्गत नहीं आते, उनमें ये अधिकारी उन नियमों, विनियमों अर आदेशों द्वारा शासित होंगे जो संघ के कार्यों से संबंधित सेवा करने वाले तदनुरूर (Corresponding) अधिकारियों पर लागू होते हैं।

$_{f 18}$. रेलव बोर्ड सचिवालय सेवा, धणी- $-{ m II}$

(क) रेलवे बोर्ड मचिवालय सेवा में निम्नलिखन पद और वेतनमान हैं :--

'अनुभाग ग्रधिकारियों ग्रौर सहायकों के पदों पर सीधी भर्ती की जाती है।

(ख) श्रनुमाग श्रधिकारियों के रूप मे सीधे भर्ती किये गये श्रधिकारियों को दो वर्ष है तक परख पर रखा जायेगा। इस परख-अवधि में उन्हें सरकार द्वारा निर्धारित प्रशिक्षण लेना होगा श्रौर श्रिमागीय परीक्षाएं पान करना होंगी। यदि पर बाधोन श्रधिकारी प्रशिक्षण-श्रविध में पर्याप्त प्रमात न दिखा सके या परीक्षाएं पास न कर सके तो उन्हें सेवा-मक्त कर दिशा बाध ~

- (ग) परख-अवधि के समाप्त होने पर, सरकार अधिकारी को उसकी नियुक्ति पर पक्का कर सकती है या यदि सरकार की राय में उसका कार्य या आचरण संतोषजनक न रहा हो तो सरकार उसे या तो सेवा मुक्त कर सकती है या उसकी परख-अवधि को, जितना उचित समझें, बढ़ा सकती है।
- (घ) यदि सरकार ने नियक्ति करने की अपनी शक्ति किसी श्रधिकारी को सौप रख हो तो वह श्रधिकारी ऊपर के खण्डों में विणत सरकार की किसी भी शक्ति का प्रयोग कर सकता है।
- (ङ) जिन श्रतुभाग अधिकारियों ने सिचवालय के श्रनुभागों में काम करके पर्याप्त अनुभव प्राप्त कर रखा हो उनको समान्यता श्रनुभागों का श्रध्यक्ष बनाया जायेगा श्रौर सहायक निदेशक/श्रवर सचिव की सामान्यता शाखाओं का कार्यभार सौपा जायेगा जिनमें एक या अधिक श्रनुभाग होंगे।
- (च) धनभाग प्रधिकारी, इस मंबंध में समय-समय पर लागू होने वाले नियमों के ध्रनुसार, सहायक निदेशक अवर सचिव के रूप में पदोक्षति पा सकेंगे
- (छ) सहायक निदेशक/ग्रवर सचिव रेलवे बोर्ड सचिवालय में ऊंचे पदों पर नियुक्ति पाने के लिये पान होंगे ।
- (ज) रेलवे बोर्ड सिववालय सेवा, रेलवे मंत्रालय तक ही सीमित है धौर इसके प्रधिकारी अन्य मंत्रालयों को स्थानान्तरित नहीं किए जा सकते जैसा कि केन्द्रीय सिववालय सेवा के प्रधिकारी किये जा सकते हैं।
- (स) रेलवे मंत्रालय में नियुक्त कर्मचारियों को, रेलवें प्रधिकारियों के समान ही, पास श्रीर सुविधा टिकट श्रादेश (Privilege Ticket Orders) लेने की सुविधाएं उपलब्ध हैं।
- (জা) इन नियमों के श्रन्तर्गत भर्ती किये गये रेलव बोर्ड सचिवालय सेवा के श्रधिकारी (परखा-धीन ग्रधिकारी भी)
 - (क) रेलवे पेंशन खल से अधिशासित होंगे, और
 - (ख) समय-समय पर संशोधित राज्य रेलवें भविष्य निधि (श्रंशदान-रहित) के नियमों के श्रन्तर्गत, इस निधि में श्रभिदान कर सकेंगे।
- (ट) जहां तक छुट्टी श्रौर सेवा की अन्य शर्ती का सम्बन्ध है, रेलवे बोर्ड सचिवालय सेवा के श्रिधिकारियों को रेलवे के श्रेणी I श्रौर II के अन्य अधिकारियों के समान समझा जायेगा परन्तु चिकित्सा सुविधाश्रों के मामले में, वे उन नियमों से शासित होंगे जो केन्द्रीय सरकार के श्रन्य कर्मचारियों पर लागु होते हैं जिनके मुख्यालय नई दिल्ली में हैं।

परिशिष्ठ IV

उम्मीववारों कीशारीरिक परीक्षी के बारे में विनियम

(ये विनियम उम्मीदवारों की सुविधा के लिये दिये जा रहे हैं ताकि वें इस बात का पता लगा सकों कि वे शारीरिक स्वास्थ्य के अपेक्षित स्तर तक श्राते है या नहीं। पर यह साफ-साफ समझ लेना चाहिए कि भारत सरकार श्रपने निर्णय से वह मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट के श्राधार पर किसी भी उम्मीदवार को शारीरिक दृष्टि से प्रक्षम-मान कर स्वीकार कर सकती है भीर उसका निर्णय किसी भी प्रकार इन विनियमों से बंधा नहीं है। ये विनियम केवल मेडिकल परीक्षक के मार्ग-दर्शन के लिए हैं भीर इनसे उसका निर्णय किसी प्रकार भी सीमित नहीं होता।)

रक्षा सेवाम्रों के भूतपूर्व विकलाग सैनिकों को सेवा (भों) की मावश्यकताम्रों के मनुरूप डाक्टरी जांच के स्तर में छूट दी जायेगी।

- 1. नियुक्ति के योग्य ठहराये जाने के लिये यह जरूरी है कि उम्मीदवार का मानसिक भौर शारीरिक स्वास्थ्य ठीक हो श्रौर उम्मीदवार में कोई ऐसा शारीरिक दोष न हो जिसे नियुक्ति के बाद दक्षतापूर्वक काम करने में बाधा पड़ने की सभावना हो।
- 2. (क) भारतीय (एंग्लो-इडियन समेत) जाति के उम्मीदवारों के झायु, कद और छाती के घेंर के परस्पर सबंध के बारे में मेडिकल बोर्ड के ऊपर ही यह बात छोड़ दी गई है कि वह उम्मीदवारों की प्रीक्षा में मार्ग-दर्शन के रूप में जो भी परस्पर संबंध के आंकड़ें सबसे प्रधिक उपयुक्त समझे, व्यवहार में लाए। यदि वजन, कद और छाती के घेर में विषमता हो तो जाच के लिए उम्मीदवार को प्रस्पताल में रखना चाहिए और छाती का एक्स-रे लेना चाहिए। ऐसा करने के बाद ही बोर्ड उम्मीदवार को योग्य प्रथवा अयोग्य करेगा।
- (ख) तिष्चिय सेवाम्रों के लिए कई भौर छाती के घेर का कम-से-कम मान नीचे दिया जाता है जिस पर पूरा न उतरने पर उम्मीदवार को मंजूर नहीं किया जा सकता।

		कद	छाती का (पूराफैल		फैलाव
		सें० मी०	सेंं० मी०		सें॰ मी॰
(1)	भारतीय रेल यातायात सेवा	152	84	5 (g	रुषों के लिए)
		150	79	5 (र्मा	हेलाग्रों के लिए)
(2)	भारतीय पुलिस, दिल्ली, हिमाचल	165	84	5 (पुर	क्यों के लिए)
	ब्रौर श्रंडमान तथा निकोबार द्वीप- समृह पुलिस सेवा क्लास II	150	79	5 (र्मा	हेलाम्रों के लिए)

गोरखा, गढ़वाली, श्रसमिया, श्रादिम जातियों श्रादि के उम्मीदवारों के लिए, जिसका श्रीसत कद विशेष रूप से कम होता है, कम-से-कम निर्धारित कद में छूट दी जाती है।

3. उम्मीदवार का कद निम्नलिखिन विधि से नापा जायेगा :---

बह श्रपने जूने उतार देगा श्रोर उसे माप-दंड (स्टैंडर्ड) से इस प्रकार सटा कर खड़ा किया आयेगा कि उसके पांव श्रापस में जुड़े रहें श्रोर उसका वजन, सिवाए एढ़ियों के, पांवों की उंगलियों या किसी श्रोर हिस्से ०र न पड़े । वह बिना श्रकड़े सीधा खडा होगा श्रोर उसकी एड़िया, पिडलियां, नितंब श्रौर कंग्ने माप-दंड के साथ लगे होंगे । उसकी ठोड़ी नीची रखी जायेगी ताकि सिर का स्तर (बटैक्स म्राफ दि हैड लेक्ल) हारिजैंटल बार (भ्राड़ी छड़) के नीचे ग्रा आए । कद सेंटीमीटरों ग्रीर भ्राधे मेंटीमीटरों में नापा जायेगा ।

(4) उम्मीदवार की छाती नापने का तरीका इस प्रकार है :---

उसे इस भांति सीघा खड़ा किया जायेगा कि उसके पांव जुड़े हों और उसकी भुजाएं सिर से ऊपर उठी हों। फीते को छाती के गिर्व इस तरह से लगाया जायेगा कि पीछें की धोर इसका ऊपरी किनारा असफलक (शोरुडर ब्लेड) के निम्न कोणों (इन्फीरियर-एंगल्स) से लगा रहे और यह फीते को छाती के गिर्द ले जाने पर उसी आड़े समतल (हारिजेंटल प्लेन) में रहे। फिर भुजाओं को नीचे किया जायेगा और इन्हें शरीर के साथ लटका रहने दिया जायेगा किन्तु इस बात का ध्यान रखा जायेगा कि कंध ऊपर या पीछ की धोर न किये जाएं जिससे कि फीता न हिले। अब उम्मीदवार को कई बार गहरा सांस लेने के लिए कहा जायेगा और छाती का अधिक-से-अधिक फैलाव गौर से नोट किया जायेगा और कम-से-कम और अधिक ने-अधिक फैलाव सेंटीमीटरों में रिकार्ड किया जायेगा, 84-89, 86-93.5 आदि नाम को रिकार्ड करते समय आई सेंटीमीटर से कम के भिन्न फेक्शन को नोट नहीं करना चाहिए।

- 5. उम्मीदवार का वजन भी लिया जायेगा और उपका वजन किलोग्रामों में रिकार्ड किया जायेगा। श्राधे किलोग्राम से कम के फ्रेक्शन को नोट नहीं करना चाहिए।
- 6. उम्मीदवार की नज़र की जांचे निम्नलिखित नियमों के श्रतुसार की जायेगी । प्रत्येक जांच का परिणाम रिकार्ड किया जायेगा :---
- (i) सामान्य जनरल—किसी रोग या विलक्षणता (एबनार्मोलिटी) का पता लगाने के लिए उम्मीदवार की ग्रांखों की सामान्य परीक्षा की जायेगी। यदि उम्मीदवार को एसा भेंगापन या ग्रांखों, पलकों ग्रथवा साथ लगी संरचनात्रों (कंटिगुग्रस स्ट्रक्चर्स) का विकास होगा जिसे भविष्य में किसी भी समय सेवा के लिए उसके ग्रयोग्य होने की सम्भावना हो तो उम्मीदवार को ग्रस्वीकृत कर दिया जायेगा।
- (ii) वृष्टि की पकड़ (विजुम्नल एक्विटी) वृष्टि की तीव्रता का निर्धारण करने के लिये दो जांचें की जायेंगी, एक दूर की नजर के लिए श्रौर दूसरी नजदीक की नजर के लिए। प्रत्येक श्रांख की भलग से परीक्षा की जायेगी।

चश्मे के बिना नजर (नेकेड भ्राई विजन) की कोई न्युनतम सीमा (मिनिसम लिमिट) नहीं होगी, किन्तु प्रत्येक केस में मेडिकल बोर्ड या श्रन्य मेडिकल प्राधिकारी द्वारा इसे रिकार्ड किया जायेगा क्योंकि इससे ग्रांख की हालत के बारे में मूल सूचना (बेसिक-इन्फार्मेशन) मिल जायेगी।

चक्रमे के साथ श्रौर अक्रमे के बिना दूर श्रौर नज़दीक की नज़र का मानक निम्नलिखित होगा :—

	दूर की	दूर की नजर		नजदीक को नजर	
	श्रच्छी श्रांख	खराब प्रांख		खराब श्रांख	
1. भारतीय रेलवे यातायात सेवा	6/9 6/6	6/9 ग्रथवा 6/12	0.6	0.8	

वूर की	। नजर	नजवीक की नजर		
	खराव ग्रांख	- मच्छी मांख		

2. भारतीय प्रशासनिक सेवा, भारतीय विदेश सेवा, केन्द्रीय सूचना सेवा (ग्रेड-II) श्रणी-I, भारतीय लेखा परीक्षा ग्रोर लेखा सेवा, भारतीय सीमा शुल्क श्रौर केन्द्रीय उत्पादन शुरुक सेवा, भारतीय रक्षा लेखा, सेवा, भारतीय ग्राय-कर सेवा (श्रेणी- ${f I}$) भारतीय श्रा**र्ड**नेंस फैक्टरी सेवा, श्रेणी- ${f I}$ (सहायक प्रबंधक, श्रतकनीकी) भारतीय डाक-सेवा, श्रेणी-I, सैनिक भमि श्रीर छावनी सेवा श्रेणी-I, केन्द्रीय सचिवालय सेवा, ध्रनभाग ग्रधिकारी ग्रेड, श्रणी-II सीमाशुल्क मुल्यनिरूपक सेवा श्रेणी-II, दिल्ली श्रौर हिमाचल प्रदेश श्रीर ग्रण्डमान श्रीर निकीबार द्वीप समह सिविल सेवा श्रेणी-II. रेलवे बोर्ड सचिवालय सेवा, श्रेणी-II

सैनिक भमि श्रौर छावनी सेवा, श्रेणी f II

6/9 6/9

0.8 0.6

प्रयवा

6/6 6/12

 भारतीय पुलिस सेवा तथा दिल्ली, हिमाचल प्रदेश भ्रोर भण्डमान भ्रौर निकोबार द्वीप समृह पुलिस सेवा, श्रेणी-II 6/9 0.6 0.8 प्रथवा

> 6/6 6/12

नोट:---

ऊपर संख्या 1 श्रीर 3 में उल्लिखित सेवाश्रों के लिए प्रत्येक श्रांख में मायोपिया की कूल माला (सिलिंडर समेत)-4.00 से श्रधिक नहीं होगी । हाइपरमेट्रोपिया की कूल मात्रा प्रत्येक आंख में-4.00 डी से श्रधिक नहीं होगी।

ऊपर संख्या में उल्लिखित सेवाओं के लिए प्रत्येक ग्रांख में मायोपिया की कुल माता (सिलिंडर समेत)-8.00 से श्रधिक नहीं होगी। हाइपरमेट्रोपिया की कुल मान्ना प्रस्थेक आंख में-6.00 जी से श्रिष्ठिक नहीं होगी।

- (3) फंडस परीक्षा—जब कभी सम्भव होगा मेडिकल बोर्ड की इच्छा पर फंडस परीक्षा की जायेगी भ्रौर परिणाम रिकार्ड किये जायेंग।
- (4) कलर विजन—(i) ऊपर 1 और 3 में उल्लिखित सेवाओं के लिये रंगों के संबंध में नजर की जांच जरूरी है।
- (ii) नीचे दी गई तालिका के भ्रनुसार रंग का प्रत्यक्ष ज्ञान उच्चतर (हायर) भ्रौर निम्नतर (लोग्नर) ग्रेडों में होना चाहिए जो लैंटर्न के द्वारक (एपर्चर) के श्राकार पर निर्भर हों ।

ग्रेड	रंग के प्रस्थक्ष ज्ञान का उ ज् यतर ग्रेड	रंग के प्रत्यक्ष ज्ञान का निम्नसर ग्रेड
 लैंम्प धौर उम्मीदवार के बीच की दूरी 	4.9 मीटर	4.9 मीटर
2. द्वारक (एपचर) का ग्राकार	1.3 मि० मीटर	13 मि० मीटर
3. दिखाने का समय	5 सैकंड	5 सैकंड

जनता की सुरक्षा से सम्बन्धित सेवाभ्रों के लिए जैसे पाइलट, ड्राइवर, गार्ड ग्रादि, के लिए कलर विजन का हायर ग्रेड ग्रानिवार्य है लेकिन ग्रन्य सेवाभ्रों के लिए कलर विजन का लोग्नर ग्रेड ही काफ़ी समक्षना चाहिए।

- (iii) लाल संकेत, हरे संकेत और सफेद रंग को ग्रासानी से ग्रौर हिचकिचाहट के बिना पहचान लेना संतोषजनक कलर विजन है—इजिहारा की प्लेटों के इस्तेमाल को जिन्हें एड्रिज ग्रीन की लैंटर्न जसी उपयुक्त लैंटर्न ग्रौर श्रच्छी रोशनी में दिखाया जाता है, कलर विजन की जांच करने के लिए बिल्कुल विश्वासनीय समझा जायेगा। वैसे तो दींनों जाचों में से किसी भी एक जांच को साधारणतया पर्याप्त समझा जा सकता है। लेकिन सड़क, रेल ग्रौर हवाई यातायात से सम्बन्धित सेवामों के लिये लैंटर्न से जांच करना लाजमी है। शक वाले मामलो में जब उम्मीदवार को किसी एक जांच करने पर ग्रयोग्य पाया जाये तो दोनों ही तरीकों से जांच करनी चाहिये।
- (5) दृष्टि क्षेत्र (फील्ड ग्राफ विजन)—सभी सैवाग्नों के लिए सम्मुखन विधि (कम्फ़ंट्रैशम मेयड) द्वारा दृष्टि क्षेत्र की जांच की जायेगी। जब ऐसी जांच का नतीजा श्रसंतोषजनक या संविग्ध हो तब दृष्टि क्षेत्र को परिमापी (पेरीमीटर) पर निर्धारित किया जाना चाहिये।
- (6) रतोंघी (नाइट ब्लाइन्डनेस)—केवल विशेष मामलों को छोड़कर रतोंधी की जांच नेमी रूप से जरूरी नहीं है, रतोंधी या श्रंधेरे में विखाई न देने की जांच करने के लिए कोई नियत स्टेंड डं टेस्ट नहीं है। मेडिकल बोर्ड को ही ऐसे काम चलाऊ टस्ट कर लेने चाहिए जैसे रोशनी कम करके या उम्मीववार को श्रंधेरे कमरे में ले जाकर 20 से 30 मिनट के बाद उससे विविध चीजों की पहचान करवाकर दृष्टि की पकड़ रिकार्ड करना। उम्मीदवारों के श्रपने कथनों पर कभी भी विश्वास नहीं करना चाहिए किन्तु उन पर उचित विचार किया जाना चाहिए।
- (7) दृष्टि की पकड़ से भिन्न ग्रांख की श्रवस्थाएं (ग्राक्यूलर कंडिशन्स)—(क) ग्रांख की उस बीमारी को या बढ़ती हुई वर्तन तृटि (प्रोग्नेसिय रिफ्ने क्टिवएरर) को, जिसके परिणामस्वरूप दृष्टि की पकड़ के कम होने की सम्भावना हो, श्रयोग्यता का कारण समझना चाहिए।
- (ख) रोहे (ट्रेकोमा)---यवि रोहं अटिल न हों तो वे ग्रामतौर से ग्रयोग्यता का कारण नहीं होंगे।
- (ग) भेंगापन (स्किवट) ऊपर 1 और 3 में लिखी सेवाम्रों के लिए ब्रिनेन्नी (बाइनाकुलर) दृष्टि का होना लाजमी है। नियत स्टैंडर्ड की दृष्टि की पकड़ होने पर भी भेंगापन को मयोग्यता का

कारण समझना चाहिए। ∤ दूसरी सेवाओं के लिए उस हालत में भगापन को श्रयोग्यता का कारण नहीं समझना चाहिए जब दुष्टि की पकड़ नियत स्टैंडर्ड की हो ।

(घ) एक स्रांख वाले व्यक्ति—-नियुक्ति के लिए एक स्रांख वाले व्यक्तियों की सिफारिश नहीं की जाती।

7. ब्लंड प्रेशर

ब्लड प्रेशर के सम्बन्ध में बोर्ड श्रपने निर्णय से काम लेगा । नार्मल उच्चतम सिस्टालिक ंश्रेशर के श्राकलन की काम चलाऊ विधि नीचे दी जाती है।

- (i) 15 से 25 वर्ष के व्यक्तियों में भौसत ब्लक प्रेशर लगमग 100+ भ्रायु होता है।
- (ii) 25 वर्ष से ऊपर की भ्रायु वाले व्यक्तियों में ब्लंड प्रेशर के भ्राकलन का सामान्य नियम यह है कि 110 में भ्राधी भ्रायु जोड़ दी जाये। यह तरीका बिल्कुल संतोषजनक दिखाई पड़ता है।

च्यान बीजिए — सामान्य नियम के रूप में 140 से ऊपर के सिस्टालिक प्रेशर को भ्रौर 90 से ऊपर के डायस्टालिक प्रशर को संदिग्ध मान लेना चाहिए, भ्रौर उम्मीदनार को योग्य या भ्रयोग्य टहराने के सम्बन्ध में धपनी भ्रांतिम राय देने से पहले बोर्ड को चाहिए कि उम्मीदनार को धस्पताल में रखें। श्रस्पताल में रखने की रिपोर्ट से यह पता लगाना चाहिये कि चबराहट (एक्साइटमेंट) धादि के कारण ब्लड प्रेशर थोड़े समय रहने वाला है या इसका कारण कोई भायिक (भ्रागेंनिक बीमारी) है [ऐसे सभी केसों में हृदय की एक्सरे भ्रौर विद्युत् हुल्लेखी (इलेक्ट्रोंकार्डियोग्राफिक) परीकाएं भ्रौर रक्त यूरिया निकास (लोयरेंस) की जांच भी नेमी रूप से की जानी चाहिए। फिर की उम्मीदनार के योग्य होने या न होने के बारे में श्रांतिम फैसला केवल मेडिकल बोर्ड ही करेगा।

ब्लड प्रेशर (रक्त दाव) लेने का तरीका

नियमत : पारेवाले वाबमापी (मर्करी मेनोमीटर) किस्म का भ्राला (इंस्ट्रमेट) इस्तेमाल करना चाहिए। किसी किस्म के व्यायाम या घबराहट के बाद पन्द्रह मिनट तक रक्त दाब नहीं लेना चाहिए। रोगी बठा या लेटा हो बग्नर्तेकि वह भौर विशेषकर उसकी भुजा शिथिल भौर भ्राराम से हो। कुछ-कुछ हारिजंटल स्थिति में रोगी के पार्श्व पर भुजा को भ्राराम से सहारा दिया जाता है। भुजा पर से कंधे तक कपड़े उतार देने चाहिए। कफ़ में से पूरी तरह हवा निकालकर बीच की रबड़ को भुजा के भ्रन्दर की भ्रोर रखकर भ्रोर इसके निचले किनारे को कोहनी के मोड़ से एक या दो इंच ऊपर करके लगाना चाहिए। इसके बाद कपड़ की पट्टी को फैलाकर समान रूप से लपेटना चाहिए ताकि हवा भरने पर कोई हिस्सा फूल कर बाहर को न निकले।

कोहनी के मोड़ पर प्रगंड धमनी (ब्रिक्शिल आटरी) को दबा-दबा कर बूंढा जाता है और तब इस के उपर बीचों-बीच स्टैथस्कोप को हल्के से लगाया जाता है जो कफ के साथ न लगे। कफ़ में लगभग 200 m.m. Hg. हवा भरी जाती है और इसके बाद इसमें से धीरे-धीरे हवा निकाली जाती है। हल्की ऋमिक ध्वनियां सुनाई पड़ने पर जिस स्तर पर पारे का कालम टिका होता है वह सिस्टालिक प्रेशर दर्शाती है। जब और हवा निकाली जाएगी तो ध्वनियां तेज सुनाई पड़ेंगी। जिस स्तर पर पर साफ और अच्छी सुनाई पड़ेंगी। जिस स्तर पर से साफ और अच्छी सुनाई पड़ेंगे वाली ध्वनियां हलकी दबी हुई सी लुप्त प्राय हो जाएं, वह डायस्टालिक

प्रेशर है। ब्लब्द-प्रेशर काफ़ी थोड़ी अविश्व में ही ले लेना चाहिए क्योंकि कपल के लम्बे समय का दबाव रोगी के लिए क्षोमकार होता है और इसंसे रीडिंग ग़लत हो जाता है। यदि दोवारा पड़ताल करनी जरूरी हो तो कफ में से पूरी हवा निकाल कर कुछ मिनट के बाद ही ऐसा किया जाए। (कभी-कभी कफ में से हवा निकालने पर एक निश्चित स्तर पर व्वनियां सुनाई पड़ती हैं, दाब गिरने पर में ग्रायम हो जाती हैं और निम्नतर स्तर पर पुनः प्रकट हो जाती हैं। इस "साइलेंट गेंप" से रीडिंग में ग्रलती हो सकती है।)

8. परीक्षक की उपस्थित में किये गये मूत की परीक्षा की जानी चाहिए भीर परिणाम रिकार्ड किया जाना चाहिए। जब मेडिकल बोर्ड को किसी उम्मीदवार के मूल में रासायनिक जांच द्वारा शक्तर का पता चले तो बोर्ड इसके दूसरे सभी पहलुकों की परीक्षा करेगा और मधुमेह (आया- कीटीज) के चोतक चिन्हों और लक्षणों को भी विशेष रूप से नोट करेगा। यदि बोर्ड उम्मीदवार को ग्लूकोज मेह (ग्लाइकोसु लिरमा) के सिवाए, प्रपेषित मेडिकल फिटनेस के स्टेंडड के अनुरूप पाये तो वह उम्मीदवार को इस मर्त के साथ फिट घोषित कर सकता है कि ग्लूकोज मेह अमधु मेही (नान-डायबेंटिक) हो और बोर्ड केस को मेडिसन के किसी ए'से विदिष्ट विशेषक के पास भेजेगा जिसके पास अस्पताल और प्रयोगमाला की सुविधाएं हों। मेडिकल विशेषक स्टेंडर्ड क्लड गुगर टालरेंस टेस्ट समेत जो भी क्लिनिकल या लेबारेटरी परीक्षाएं जरूरी समक्षेगा करेगा और प्रपनी रिपोर्ट मेडिकल बोर्ड को भेज देगा जिसपर मेडिकल बोर्ड की फिट' या 'अनिफट' की अंतिम राय आधारित होगी। दूसरे अवसर पर उम्मीदवार के लिए बोर्ड के सामने स्वयं उपस्थित होना जरूरी नहीं होगा। शौषि के प्रभाव को सभाप्त करने के लिए यह जरूरी हो सकती है कि उम्मीदवार को कई दिन तक अस्पताल में पूरी देख-रेख में रखा जाए।

निम्नलिखित अतिरिक्त बालों का प्रेक्षण करना चाहिए ।

- (क) उम्भीवयार को दोनों कानों से अच्छा सुनाई पड़ता है या नहीं और कान की बीमारी का कोई विहन है या नहीं । यदि कोई कान की खराबी हो तो, इसकी परीक्षा कान विशेषज्ञ द्वारा की जानी चाहिए । यदि सुनने की खराबी का इसाज जल्य-किया (आपरेशन) या हियरिंग ऐड के इस्तेमाल से हो सके तो उम्मींदवार को इस आघार पर अयोग्य घोषिल नहीं किया जा सकता बशर्तेकि कान की बीमारी बढ़ने वाली न हो । रेलवे सेवाओं के लिए यह बात लाग नहीं है ।
 - (ख) उम्मीदवार बोलने में हकलाता है या नहीं।
 - (ग) उसके दांत अच्छी हालत में हैं या नहीं; श्रौर श्रच्छी तरह चबाने के लिए जरूरी होने पर नकली दांत लगे हैं या नहीं। (श्रच्छी तरह भरे हुए दांतों को ठीक समझा जाएगा)।
 - (घ) उसकी छाती की बनाबट अच्छी है या नहीं और छाती काफी फैलती है या नहीं तथा उसका दिल और फेफड़े ठीक हैं या नहीं।
 - (ङ) उसे पेट की कोई बीमारी है या नहीं।
 - (च) उसे रफ्चर (हानिया या फटन) है या नहीं।
- (छ) उसे हा**क्क्रोसील, ब**ढ़ी हुई वरिकोसील बेरिकोज शिरा (बेन) या बवासीर है था नहीं ।

- (अ) उसकी जाखाओं, हायों भीर पैरों की बनावट भीर विकास अच्छा है या नहीं और उसकी संविया भनी भीति स्वतन्त्र रूप से हिसती हैं या नहीं।
- (क्ष) उसे कोई चिरस्थायी त्वचाकी बीमारी है या नहीं।
- (भा) कोई जन्मजात कुरचना या दोष है या नहीं।
- (ट) उसमें किसी उग्र या जीणं बीमारी के निशान हैं या नहीं। जिनसे कमचीर गठन का पता अबे।
- (ठ) कारगर टीके के निशान हैं या नहीं।
- (ड) उसे कोई संचारी (कम्यूनिकेबल) रोग है या नहीं।
- 10. दिल भीर फेफड़ों की किसी ऐसी विसक्षणता का पता लगाने के लिए जो साधारण कारीरिक परीक्षा से कात नहीं, सभी केसों में नेमी रूप से खाती की एक्सरे-परीक्षा की जानी चाहिए।

जब कोई दोष मिले तो उसे प्रमाण-पक्ष में सबक्ष्य ही नोट किया आए। मेडिकल परीक्षक को घपनी राय सिख देनी चाहिए कि उम्मीदवार से समेक्षित दक्षतापूर्ण स्यूटी में इससे बाधा पड़ने की संवादना है या नहीं।

नोट—उम्मीदवारों को चेताबनी वी जाती है कि उपर्युक्त सेवामों के लिए उनकी योग्यता का निर्धारण करने के लिए नियुक्त स्पेसल या स्टेंडिंग मेडिकल बोर्ड के किलाफ उन्हें भ्रपील करने का कोई हुए नहीं है। किन्तु यदि सरकार को प्रथम बोर्ड की जांच में निर्णय की यसती की संभावना के सम्बन्ध में, प्रस्तुत किए गए प्रमाण के बारे में तसस्ती हो जाए तो सरकार दूसरे बोर्ड के सामने भ्रपील की इजाजत दे सकती है। ऐसा प्रमाण एम्बीदबार को प्रथम मेडिकल बोर्ड के निर्णय मेजने की तारीख के एक महीने के भंदर पेश करना चाहिए वरना पूसरे मेडिकल बोर्ड के सामने श्रपील करने की प्रार्थना पर विचार नहीं किया जाएना।

सिव प्रसम बोर्ड के निर्णय की नलती की संभावना के बारे में प्रमाण के कप में उम्मीदवार मेडिकन प्रमाणपण पेस करें तो इस प्रमाणपण पर उस हालत में विचार नहीं किया जाएगा जब कि इसमें सम्बन्धित मेडिकल प्रक्टिश्रनर का इस भासय का नोट नहीं होगा कि यह प्रमाणपण इस तथ्य के पूर्ण जान के बाद ही विया गया है कि उम्मीदवार पहले से ही सेवाधों के लिए मेडिकल बोर्ड दारा श्रवोग्य वोषित करके श्रस्थीकृत किया जा जुका है।

मेडिकन बोर्ड की रिपोर्ट

मेडिकम परीक्षक के मार्गदर्शन के लिए निम्नलिखित सूचना दी जाती है :---

 शारीरिक योग्यता (फिटनेस) के लिए भपनाए जाने वाले स्टैंक्ड में सम्बन्धित उम्मीदवार की तायु भीर सेवा-काल (यदि हो) के लिए उचित गुजाइश रखनी चाहिए।

किसी ऐसे व्यक्ति को पब्लिक सर्विस में भर्ती के लिए योग्य नहीं समझा जाएगा जिसके बारे में यद्मास्थिति सरकार या नियुक्ति प्राधिकारी (भ्रापौद्देशि भ्राथारिटी) को, यह इसल्ली नहीं होगी कि उसे ऐसी कोई बीमारी या भारीरिक दुर्बेलता (बाडिली इनफर्मिटी) नहीं है जिसे वह उस सेवा के लिए भयोग्य हो या उसके भयोग्य होने की संभावना हो। यह बात समक्ष लेनी चाहिये कि योग्यता का प्रश्न भविष्य से भी उतना ही संबद्ध है जितना वर्त मान से है धीर मेडिकल परीक्षा का एक मुख्य उद्देश्य निरंतर कारगर सेवा प्राप्त करना धीर स्थायी नियुक्ति के उम्मीदशारों के मामले में श्रकाल मृत्यु होने पर समय-पूर्व पेंशन या धवायगियों को रोकना है। साथ ही यह भी नोट किया जाए कि यहां प्रश्न केवल निरंतर कारगर सेवा की संभावना का है भीर उम्मीदवार को झस्वीकृत करने की सलाह उस हालत में नहीं दी जानी चाहिए जबकि उसमें कोई ऐसा दोष हो जो केवल बहुत कम क्षियतियों में निरंतर कारगर सेवा में बाधक पाया गया हो।

महिला उम्मीदवार की परीक्षा के लिए किसी खेडी शाक्टर की मेडिकन बोर्ड के सदस्य के छप में सहयोजित किया जाएगा ।

भारतीय रक्षा लेखा सेवा (इंडियन डिफेंस ग्रकाउंट्स सर्विस) के उम्मीदवारों को भारत में ग्रीर भारत से बाहर क्षेत्र सेवा (फील्ड सर्विस)करनी होगी। ऐसे उम्मीदवार के मामले में मेडिकल बोर्ड को इस बारे में ग्रपनी राय विक्षेष रूप से रिकार्ड करनी चाहिये कि उम्मीदवार खेत सेवा (फील्ड सर्विस) के योग्य है या नहीं।

ष्टाक्टरी बोर्ड की रिपोर्ट को गोपनीय रखना आहिए।

ऐसे मामलों में जब कि कोई उम्मीदवार सरकारी सेवा में निपृक्ति के लिए भ्रमोग्य करार दिया जाता है तो मोट तौर पर उसके भ्रस्वीकार किए जाने के आधार उम्मीववार को बताए जा सकते हैं किन्तु डाक्टरी बोर्ड ने जो खराबी बताई हो उनका विस्तुत ब्योरा नहीं दिया जा सकता।

ऐसे मामसों में अहां डाक्टरी बोर्ड का यह विचार हो कि सरकारी सेवा के लिए उम्मीदवार को धायोग्य बनाने वाली छोटी-मोटी खराबी जिकित्सा (धौषध या बल्य) द्वारा दूर हो सकती है वहां डाक्टरी बोर्ड द्वारा इस मामय का कथन रिकार्ड किया जाना जाहिए। नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा इस बारे में उम्मीदवार को बोर्ड की राय सूचित किये जाने में कोई भापत्ति नहीं है और जब वह श्वराबी दूर हो जाये तो एक दूसरे डाक्टरी बोर्ड के सामने उस व्यक्ति को उपस्थित होने के लिये कहने में संबंधित प्राधकारी स्वतंत्र है।

यदि कोई उम्मीदवार ग्रस्थाई रूप से ग्रयोग्य करार विया जाये तो दुबारा परीक्षा की श्रवधि साधारणतया कम से कम छः महीने से कम नहीं होनी चाहिये । मिश्रित ग्रवधि के बाद जब युवारा परीक्षा हो तो एसे उम्मीदवारों को ग्रौर ग्रामें को श्रवधि के लिए ग्रस्थायी तौर पर ग्रयोग्य घोषित न कर नियुक्ति के लिए श्रयोग्य है ऐसा निर्णय ग्रांतिम रूप से दिया जाना चाहिये ।

(क) उम्मीदवार का कथम और घोवचा :---

अपनी मैडिकल परीक्षा से पूर्व उम्मीदवार को निम्नलिखित भ्रमेक्षित स्टेटमेंट देना वाहिए भ्रीर उसके साथ लगी हुई घोषणा (डिक्लेरेशन) पर हस्ताक्षर करने चाहिये। नीचे दिये गऐ। नोट में उल्लिखित चेतावनी की श्रोर उम्मीदवार को विशेष रूप में ध्यान देना चाहिये।

1-	भ्रपंता पूरा नाम लिखें	 .	
	(साफ ग्रक्षरों में)		
2.	भपनी आयु और जन्म स्थान बताएं	 	. ,

3. (क) क्या ग्रापको कभी चेषक, रुक-रूक कर होने शाला या कोई दूसरा बुखार, ग्रंथियां (ग्लैंड्स) का बढ़ना या इतमें पीप पड़ना, धूक में खून श्राना, दमा, दिल की बीमारी, फेफड़े की श्रीमारी, मूर्छा के दौरे, रूमें टिज्म, एपेंडिसाइटिस हुआ है ?

ग्रथवा

- (ख) दूसरी कोई ऐसी बीमारी या दुर्घटना, जिसके कारण गय्या पर लेटे रहना पड़ा हो ग्रौर जिसका मेडिकल या सर्जिकल इलाज किया गया हो, हुई है ?
 - 4. आपको चेचक आदि का अन्तिम टीका कब लगा था?
- 5. क्या ग्रापको या श्रापके किसी नजदीकी रिश्तेदार को तपेदिक, स्कोक्यूला, गाऊट, दमा, दौरे (फिट्स) मिरगी (एपिलेप्सि) या पागलपन (इन्सेनिटी) हुन्ना है ?
- 6. क्या ग्रापको प्रधिक काम या किसी दूसरे कारण से किसी किस्म की ग्रधीरता (नर्वसनेस) हुई है ?
 - 7 अपने परिवार के संबंध में निम्नलिखित व्योरा दे।

बिदि पिता जीवित हो तो यदि पिता की मृत्यु हो आपके कितने भाई आपके कितने भाईयों उसकी आयु और स्वास्थ्य चुकी हो तो मृत्यु के जीवित हैं, उनकी की मृत्यु हो चुकी हे, की श्रवस्था समय पिता की आयु और आयु और स्वास्थ्य की मृत्यु के समय उनकी मृत्यु का कारण श्रवस्था आयु और मृत्यु का . . . के कारण

यदि माता जीवित हो यदि माता की मृत्यु हो भापकी कितनी बहिनें भ्रापकी कितनी बहिनों तो उसकी श्रायु और चुकी हो तो मत्यु के समय जीवित हैं, उनकी श्रायु की मृत्यु हो चुकी है, स्वास्थ्य की श्रवस्था उसकी श्रायु और मृत्यु के समय उनकी का कारण श्रवस्था श्रायु और मृत्यु का कारण

- 8. क्या इसके पहले किसी मेडिकल बोर्ड ने ब्रापकी परीक्षा की है?
- 9. यदि उपर के प्रश्न का उत्तर 'हां ' हो तो बताइए किस सेवा/ सेवाओं के लिए प्रायकी परीक्षा की गई थी ?

बीमारी......

(2) रतोंघी.....

3. नेव

(1) कोई

9. उदर (पेट) : थर दा म बंदना (टेडरने स)
ह्निया
(क) दबा कर माल्म पड़ना, जिगर
गुर्दे ट्यूभर ट्यूभर
(ख) बवासीर के मस्से फिर जुला
1.0. तोतिका तंत्र (नर्वस सिस्टम) बं तिका या मानसिक श्रज्ञक्तता का संकेठ
ाः चॉल तत्न (नोकोमोटर सिस्टम) कोई विलक्षणता
12. जनन-मूब तंत्र (जिनिटो यृरिनरी सिस्टम) /हाइड्रोसील, बेरिकोसील श्रादि का कोई संकेत । मूब परीक्षाः
(क) कैसा दिखाई पड़ता है
(ख) स्पेसिक्तिक ग्रेविटी (ग्रपेक्षित गुरुत्व)
(ग) एलव्यमेन
(घ) शक्कर
(ङ) कास्ट
(च) कोशिकाए (सेल्स)
13. क्वाती को एक्स-र परोक्षा की रिपोर्ट
14. क्या उम्मीदवार के स्वास्थ्य में कोई ऐसी बात है जिससे यह उस सेवा को दखतापूर्वक निभावे के लिये प्रयोग्य हो सकता है जिसके लिये वह उम्मीदवार है ?
15 (i) उन सेवाओं का उल्लेख करे जिनके लिए उम्मीदवार की परीक्षा की वर्ष है :
(क) भारतीय प्रशासनिक सेवा और भारतीय विदेश सेवा ।
(ख) भारतीय पुलिस सेवा और दिल्ली और हिमाचल प्रदेश पुलिस से वा
(ग) केन्द्रीय सेवाएं श्रेणी I भौ र II
(ii) क्या यह निम्नलिखित सेवाफ्रों मे दक्षतापूर्वक फ्रौर निरंखर काम करने के किए सब तरह से योग्य पाया गया है :
(क) भारतीय प्रशासनिक सेवा ग्रौर भारती य विदेश सेवा ।
(ख) भारतीय पुलिस सेवा और दिल्ली और हिमाचल प्रदेश पुलिस सेवा (कद, छाती का घेर, नजर, रंग दिखाई न देना और चाल, खास तीर से देखें)।
(ग) भारतीय रेलने के परिवहन (यातायात) ग्रौर वाणिज्य विभाग (कद, छासी, नजर, रंग विश्वाई न देना, खास तौर से देखें) ।

(घ)	दूसरी	केन्द्रीय	सेवाएं	श्रेणी	I/II
-----	-------	-----------	--------	--------	------

नोट---बोर्ड को श्रयना जांच परिणाम निम्नलिखित तीन वर्गों में से किसी एक वर्ग में रिकार्ड करना चाहिये ।

(i) योग्य	(फिट)
-----------	-------

(ii) मय	ोग्य (ग्रनफिट) जिसका	कारण		
---------	---------------	---------	------	--	--

(\mathbf{m})	अस्याया रूप सं श्रयाग्य, जिसका कारण.	
स्थान	ग्रध्यक्ष	(प्रेसिस्टेंट)

> पी० के० दवे, संयुक्त सर्विव।